प्रश्न चक्रम्

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०
५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०
७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०
९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००
१०१	१०२	१०३	१०४	१०५	१०६	१०७	१०८	१०९	११०
१११	११२	११३	११४	११५	११६	११७	११८	११९	१२०
१२१	१२२	१२३	१२४	१२५	१२६	१२७	१२८	१२९	१३०
१३१	१३२	१३३	१३४	१३५	१३६	१३७	१३८	१३९	१४०
१४१	१४२	१४३	१४४	१४५	१४६	१४७	१४८	१४९	१५०
१५१	१५२	१५३	१५४	१५५	१५६	१५७	१५८	१५९	१६०

श्रीगणेशायनमः

अथ हरदेवका तात्कालिक प्रश्न भाषा

अर्थात प्रश्न कल्प वृक्ष

१.हेप्रच्छक ये जोतुमने प्रश्नकिया है जोहोगयासोहोगया अबखुशीकीवार्ता होनेवालीहैखोटेदिनगये श्रेष्ठआनेवाले हैंआरामहोकारजफतैहोगाया जिसकी चाहनाहैमिलेगाऔरयेजोचित्तमेंकाम विचाराहै देरसेहोगा दिन तुमको बहुत दिनोंसे मध्यमहैं मर्जीकेमाफिक लाभ नहींहैनष्टदशामेंरंजक्लेशपीडागुप्तचिंता शत्रुताहोतीहैसोअपनीरासपैंजोदोतीन प्रश्नाकिसहैं दानमंत्र जापकरो तबघर में आनन्द मंगलाचार जीव कीप्राप्ति यात्रासे लाभ काम फतैहोंगे गुप्तप्राप्ति होगी तुम्हारे शरीर पैं व्रणयानी फोड़ फुंसी का निशान है आलस्य रहताहै नई नई बात का चिंतवन करते हो

२. हे प्रच्छक तुम को पिछले दिन बहुत नाकिस फ़िक्र से गुज़रे और खर्च विशेष लाभमध्यम सो अब प्राप्तिहोगी जीवका लाभहोगा व्याधा रंजनष्टहोंगे घरमें खुशीहोगी चित्तकीचिंताचित्तमें समाजातीहै समुद्रकी तरंगसी नई नई उठतीहैंसोवृथाजातीहैंएकजीवमेंचित्त बहुतरहताहै अब ईश्वर चाहेतो कहींसे खुशीकी बातसुनोगेउच्चपदवी प्राप्तहोगी नाकिस ग्रहोंकादानऔरसुबेरयाम शिवजीका भजनकराकरो और येजो प्रश्न किया है वो कामभी फतैहोगा मिलेगा फिक्र गया यात्रा से लाभ होगा गई सो गई अब राख रही को काम काबू से बाहर है सिद्ध होगा ईश्वरका भरोसाकरो काम फतै होगा

३. हेप्रच्छक तुम्हाराकार्य सिद्ध होगा प्रथम दशा न्यून थी अब दशा श्रेष्ट आनेवाली है जीवकी चिंता और लाभ का उद्योग विशेष परन्तु लाभ अधूरा होताहै और ये जो अब फिकहै खर्चसो दूर होगाआरामगुप्तवोभी मिलेगा फ़तै होगा कष्ठ नष्ट होगा कई ग्रह नाम की रासपरनाकिसहैं सोउन ग्रहोंका उपाय बिधिपूर्वकपंडितसेकराओ बिनादानके करायेकार्यसिद्धदेरसेहोगाइसकारणचा वलमिष्टान्नस्वेतबस्त्र रजानित अर्थात् श्र द्धाप्रमाणचांदीदानका करनाबहुतश्रेष्ट हैमनकीकामनापूर्णहोगी अचानकला भकीसूरतहोगी चित्त स्थिरकरकेकिसी कालईश्वरका भजन कराकरोप्रश्न श्रेष्ट है अंजाम कुशल है तीर्थ यात्रा श्रेष्टहै

४,हेपच्छकइससमयकेप्रश्नकायेफल
हैकार्यआधीनसेवाहरअर्थातकामकाबू
सेवाहरचिंताकष्टकईजीवशत्रुतागुप्तकरे
हैपरंतुउनसे कुछहोनहीं सक्का१जीवमें
चित्तबहुतरहताहैदशामध्यमकेकारण
अनेकप्रकारकीहानवार्तालाप सोचोहो
समुद्रकीलहरसीउठतीहैनईनईवातका
चितवनहोकरनिर्फल होताहै कईफिक्र
भारीलगेहुवेजीवकीप्राप्तिहोगीफतेऔर
चंगाहोगाऔरयेजो अवचिंताहैसब दूर
होपीतदानकरोचनेकीदालहलदी पेला
वस्त्रपलेपुष्पसुवर्णश्रद्धाप्रमाणगुप्तचिंता
दूरहोगी कार्यफतेहोगा मनवांछितफल
प्राप्तहोगादशान्यूनकेकारणफिक्रचिंता
गृहमेंक्लेशहोताहै अवदशाश्रेष्ट आने वा
लीहैयेकार्यहोकरनवीन कृत्यकरोगे ॥

५. हे प्रच्छक तुम्हारा प्रश्न चिंता रूपीक
ष्टका है खर्च विशेष जीवकी लालसा जीव
चिंतातरह २ उदवेग चित्तास्थर नहीं काम
काबूसे बाहर है दूसरे आदामियों को भी बहु
त फिक्र है जब दशा मध्य म होती है अपने भी
पराये होजाते हैं परंतु अभी कार्य मे विलम्ब
है कामना पूर्ण तो होगी परंतु पापग्रहोंका
पूजन विधिपूर्वक बटुकभैरव का मंत्र भी
जपवाओ (मंत्र) ओं ऐं ह्रीं क्लीं श्रीं बटुकभैर्वा
य आपदुद्धारणाय सर्वविघ्ननिवार्णायम
मरक्षा कुरु कुरु स्वाहा । इस मंत्र के जाप से
मनोकामना पूर्ण होगी और ये जो चित्तको
दीर्घ चिंता है सो काम हो और मिलेगा खर्च
विशेष है एक जीव में चित्त भी बहुत रहता है
लाभ अधूरे होते हैं नई २ बातों का चितवन
रहता है परन्तु अन्त में कुशलता है

६. हेमच्छक कामना पूर्णहोगी खुशी कीवार्ताहोनेवालीहै मिलेगा मजींकेमा फिक कामहो चित्त उस विना व्याकुल साग्हताहैदशा न्यूनकेकारण ऐसेकाम हुए धन का खर्च जीवकादुख काम दूसरेके काबूमें होना और दो तीन गृह तुम्हारीरासपैकैडेहैं मध्यमहैं पंचागमें देखो उनमध्यमग्रहोंका पूजनदानमंत्र स्थिरचितकरके कराओकार्य शीघ्र सिद्ध होगा और येजो फिक्रहै सोदूरहोगा और कई फिक्र खर्चके आवेंहैं सो काम सिद्धहोंगे धन मिलेगा जीवकी प्राप्ति होगी परंतु विलम्बहै पूजनदानसेकार्य सिद्धहोगा गुप्त लाभहोगा अब अंजाम अच्छा दीखेहै कार्यमें भी लाभ होगा शिवजी का पूजन नित्य किया करो

७, इससमयके प्रश्नका फलयेहैकिका मठीकबैठेगायान बैठेगाइज्जतकाभय होजाताहै ऐसीदशामेंगवनभीहोता है गुप्तचिंतारहेहैकभीचित्तमेंकुछआताहै कभीकुछआताहैऐसीदशामें खचीविशे षहोताहैएकगुप्तमनोर्थहैसोकबतकआ रामहोगासोअबन्यूनदशाबीतनेवाली हैऔरश्रेष्ठआनेवालीहै परन्तकाममेंदेर हैइष्टदेवकापूजनकरानाचाहियेपित्रोंके निमितमिष्टान्नवस्त्रकच्चा दूध पीपलको जलदेनाश्रेष्टहैकईमहीनेसेभाग्यकीही नतायानीमध्यमहैपूजनकरनेसेधनकी प्राप्तिजीवकामिलना कष्टरूपी रंजका दूरहोना येजो अब वहुतचिंता है काम जरादेरसे मर्जीकेमाफिक होगा काम काबू से बाहर होगया दशा मध्यम. हे

८. हे पृच्छक तुम्हारी रास पै आजकल कई ग्रह नाकिस हैं पंचांग खोलकर देखो जब ऐसे ग्रह रास पे आते हैं लाभ कम होती है शत्रु उत्पन होते मित्र व प्यारों से जुदाई होती है कष्ट रंज होते हैं आमदनी होती २ रुक जाती है जहां पूर्ण लाभ समझा अधूरा होता है एक जीव लालसा आस लगी रहे है व्यै दीर्घ लाभ मध्यम हो काम होने को हो फिर तारभंग हो जा है सो अब मध्यम ग्रहों के दान जाप कराओ आप भी ये मंत्र जपो ऊँ ऐं ह्रीं क्लीं श्रीं वासुदेवाय नमः वटुक भैरवाय आपदुद्धारणाय मम रक्षा कुरु कुरु स्वाहा दान मंत्र जाप करने से ये जा तुम्हारे मन की कामना है पूर्ण होगी प्राप्ति होगी कष्ट दूर हों पुत्रों की लाभ राज से फते मित्र से प्रीत विशेष इतने उपाय से बने गा दशा मध्यम रहेगी

६. हेप्रच्छकयेजो तुमने प्रश्नकियाहै अबदशाश्रेष्टआनेवालीहैकामनापूर्णहोगीजोकामचित्तमेंधारणाकराहैसोमिलेगाचिंतादूरहोगीकामफतैहोंगे मित्रोंसेप्रीतऔरकष्टपीडानष्टहोगीजोविचाराहैकामठीकबैठेंगेदशाबहुतादिनोंसेमध्यमथीऽव्यैविशेषहुवाजीवकीप्राप्तिहोगीरिणकीन्यूनताहोयप्रश्नश्रेष्टहै उद्योगवउपायपहलेतुमनेबहुतेरेकरेपरानिर्फलगयेकामकाबूसेबाहरहै परअबईश्वरआनन्दखुशखबरीकीवार्ताकरेंगेगुप्तलाभहोयेजोप्रश्नविचाराहैइसकेवास्तेश्रीदेवीदुर्गालक्ष्मीकापूजनकराओ चावलचांदी स्वेतवस्त्रश्वेतफूलकादानकराओ कईग्रहमध्यमहैसोउपायकरनेसेशीघ्रमनकी कामनापूर्ण होगी एकजीवका ध्यानरहता है

१०हे प्रच्छक का मकान में बाहर है और
धन का व्यै विशेष है अकस्मात ये मामला है
सो जीव की चिन्ता है और आदमी को भी
चिंता बहुत है इज्जत का ख्याल है बडे खर्च
दीखे हैं और तुम परउपकारी सत्यवार्ता को
पसंद करो हो छलाछिद्र के काम को पसंद
नहीं करते तुम्हारा प्रश्न जीव और धन का
है और इज्जत का भय होता है अनेक प्रकार
की वार्ता सोचो हो निर्फल जाती है पता
नहीं लगता जतन भी करे अब नवग्रहों का
दान मंत्र जाप कराओ ये काम ईश्वर चाहे
तो ठीक होने वाला है और आदमी भी सहा
यता करेंगे कई शत्रु हैं ग्रह इष्ट देव का पूजन
कराने से काम मनइच्छा पूर्ण होगा
और मिलेगा वंश की वृद्धि होगी जी-
व लक्ष्मी प्राप्त होगा आराम होगा

११.हेप्रच्छकइससमयकेप्रश्नकरनेका येमामलाहैस्वरदुस्वभावहैघरमेंचमत्का रीहोक्लेशमिटेव्याधाटलेजिसकाप्रश्नहै वोशैमिलेगीयानमिलेगीमंगलाचारकद तकहोगा लाभखुशीकबतकहोगीऐसी दशाकबतकरहेगी जीवकीचिंताहै बंश कीवृद्धिहोआजकल तुमसोचोहो कुछ होयहैकुछ दोतीनग्रहरासपेनाकिसआ रहेहैंसोउनकाउपायदानपुन्यजापकरा नेसेचित्तकामनोर्थसिद्धहोगा खुशीहो कामपरायेआधीनहैअबतुमचींटीनाल जिमाओतोश्रेष्टहैभूखोंकोभोजनदोका र्यसिद्धहोगादशाउतरनेवालीहै मनोर्थ पूर्णहोंगेअनेकप्रकारकीलाभकीसूरतहो औरयेजो ऊपरसे फीक्र दीखेंहैंसोसब कांटासा निकलजायगा दशामध्यमहै

१२. इससमयजो आपनेप्रश्नाकियाहै ऐसेस्वरमेंयेबातहि किगुप्तचिंता १जीव कीकालमाबनीरहतीघनसेहीसारेकार्य सिद्धहोंहैं रोजगार मेंमध्यमलाभहैसो प्रासहोगीयानहीं।मंगलाचारकीसूरतक मसकहोजिससे घरमेंचांदनाहोआराम होकबतकादिनकेहैंगुप्तलाभभी होगी येझगड़ाकबतकामिटेगादिनरात।चित्तमें चिंताक्लेशरहैहैकबतकदिनअच्छेआवेंगे येप्रश्नब्राह्मणकोदही लड्डूमिष्टानभोज नदेनेसेकामहो अपनेइष्टदेव कापूजन घरमें पित्रपीड़ाका उपायकरोउपायके करानेसेअबकेकामसिद्धहोइज्जतबढेगी सबसेजीतोगेशत्रुरूपीग्रह हानकरहेहैं दिनरातनईनईबातसोचोहोसबनिर्फल जातीहै परन्तु अंजाम कुशलता है ॥

१३ इमसमयके प्रश्नकायेफलहैजीव चिंताभविष्याति घनन्यूनंदिनेदिनेभंग लाचारांविलम्बस्यपराधीनकृत्ययोराज द्वारकंन्यायंरिथरोकार्यद्रष्टय:ग्रहपीडा चप्राप्नोतिभृगुणापरिभाषित:मध्यमंद शामेंमध्यमकार्यहोजातेहैंमनकीवार्ता कबतकपूर्णहोगी मिलेगीयानहीं रोज गारकीहानीहै कबतकबृद्धिहोगीआज कलदिननाकिसहैं घरमें चांदना कब तकहोयेकामअबकेभीफतहहोगाजिस सेवंशकीबृद्धि हो तुम्हारीरासपेकईग्रह मध्यमहैपत्रादेखोनाकिसग्रहोकादान मंत्रजापछायादानकरानेसे अबयेमनो र्थसिद्धहोगाकामकाबूसेबाहरहैमामला ईश्वरकेआधीनहै परन्तुजोबातचित्तमें औरहैयेगृहकाप्रभावहै अन्तअच्छाहै

१४ हेप्रच्छक तुम्हारा प्रश्न जीव की चिंताकाहैकाम पराधीन काबूमेंबाहर होगया बहुतरेयत्नकरोहो बहुतेरीबातें सोचोहो मंगलाचार खुशी बंशकीवृद्धि राजद्वारविद्याकीसिद्धिधनकीजीतश्रेष्ट दशामैंहोतीहै अबजोतुम्हेयेचिंताओर लालसा जीवकीहै सो काममेंविलंबहै परंतुमिलेगाऔरहोगापरंतुजतनउपाय सेइच्छापूर्णहोगी घरमेंस्वप्नभी दीखेहै आरामकी सूरतहोगी जीवप्राप्तिहोगी इज्जतकाकामहो संदेहमिटेगा धनका मनोर्थपूर्णहोगा देवीका पूजनकराओ औरअपनेहाथसे घ्रतखांडचावलचांदी कादानकरोईश्वरचाहेतोउपायकरतेही इच्छापूर्णहोगी औरतुमपरउपकारीहो सत्यवादीहो असत्यकोपसंदनहींकरते

१५. हेपच्छकाचित्तचिंताभविष्यातगृ
इक्लेशनसंशयःधनमानमहानिपीडा
देहदीर्घतामंगलाचारकंयोगवंशवृद्धिच
प्राप्तयेराजद्वारकंन्याययंधनहानिविलंब
ताप्रश्नकाफलयेहैतरह२कीवार्तालाभ
सोचोहोकामकावूसबाहरहै दशाकईम
हीनेमेमध्यमहैन्यूनदशामेंघनहानावि
षेशव्ययलाभमध्यमाचिंताक्लेशनुकसान
हातेहैंराजद्वारमेंभीकाममर्जीकमाफि
कनहींहातेसोकामकवतकहोगाजाघर
मेंचःदनाचमत्कारीहोवंशकीइज्जतकी
वृद्धिहोओरवोमिलेएकजीवमेंचित्तविषे
श्हताहैसोशिवजीकापूजनचींटीनाल
देनाश्रेष्ठहैओरअपनेहाथसेगुड़गेंहूलाल
वस्त्रलालपुष्पआदिदानकरकेईश्वरचा
हेतोअबकामशीघ्रहोकामनापूर्णहोगी

१६हेप्रच्छयगुप्तचिंताशरीरेनधनहानी
चद्रश्यते गृहपीड़ा भविष्यति दृश्यते
भाग्यमंदताजीवचिंताचप्राप्नोतिमगला
चारहर्षकंधननष्टनसंदेहोजीवप्रश्नेचप्रा
प्तयेइससमयदुसुभावस्वरहैइसमेंभाग्य
कीवृद्धिवंशकीवृद्धिमंगलाचारराजद्वार
मेंन्यायकिसीप्यारेकीचिंताविद्याकाला
भरोजगारकृत्यपीड़ाकाघ्यतनदुस्वभाव
स्वरमेंइसप्रकारप्रश्नहोतेहैंसोतीन ग्रह
तुम्हारेऊपर सपैआजकलनाकिसेदेपत्रेमें
देखोनाकिसहैंयानहींजरूरहैंइननाकि
सग्रहोंकादानमंत्रजापकराओ जिससे
भाग्यकीवृद्धिकानालाखुलेऔरउच्चपद
वीमिलेऔरयेजीवकीप्रसन्नकेमंगलाचा
रकेकामहोंऔरगुप्तगईहुईचीजप्राप्तहो
अंजामकुशलहैजिसेचाहोसो मिलेगा

१७. हेप्रच्छकतुम्हाराप्रश्न जीवरूप लक्ष्मीकाहै चिंतादीर्घहैऔर स्वरदुस्व भावहैप्रश्नदोतरहकेसेहैंएकशैका अल गहोजाना रोजगारमध्यमहोना चित्त कीचिंताचित्तमेंही समाजाती है घरमें अंधेरासाहै जीवकीलालसाहैजतनभी करेपरन्तुव्रथागएगुप्ताचिंता इज्जतका ख्यालहै औरयेख्यालहैअबकेभीकाम होगाराजद्वारकाउच्चपदवीकी अशा हैअबचिंताइसप्रश्नकीहैसोकाम ईश्वर आधीनहैदिनबहुतसमयसे मध्यम है भाग्यउदयहोनेकोहोताहैफिररुकजाता हेअवपूजनश्री दुर्गादेवीकाकरानाचाहि येकईग्रहरासपकेडहैं उनकाउपायकरा नाचाहियेकामफतहहोकष्टबाधनष्टहो लाभकीसूरतअच्छीबनेगी वो मिलेगी

१८.हेप्रच्छकदीर्घ।चिंताचप्राप्नोतिजीव प्राप्तिनदृश्यतेभयभीतहृदा।दृश्यपराधी नोपिकृत्ययाराजद्वार कंकार्यधनव्यय भविष्यतिअंतकार्यमहा।सिद्धिभृगुणाप रिभाषतः तुमपैवहुतदशान्यूनथीअनेक प्रकारकेफिक्र जीवाचिंता।धनका जाना गुप्तक्लेशरहा तुम्हारा।चित्तएकजीवमेंत त्परहैनईनईवार्तालाभसोचाहासोव्रथा जातीहैअवरोजगारकीभी सूरतहोगीयें जो।जीवकीलालसा।हैपूर्णहे।परंतुविलंवहै देरसेफतहहोगाकाममेंलाभहोग छाया दानगुड़गेंहूंलालवस्त्रसुवर्णदानसे शीघ्र मनकी।कामनापूर्णहोगीऔरदूसरालाभ काकार्यभीसिद्धिहोगा कामदेवकीउन मत्तामेंनीचबुद्धिहोजातीहै सोग्रहकाप्र भावहैअंजामकुशलभूमि लाभ होगा

१९.हे प्रच्छक तुम्हारा काम काबू से बाहर है दिनरात विचित्र तरह २ की वार्ता लाभ सोचो हो बन कर काम की आनन्द की सूरत मध्यम सी हो गई ऐसी दशा में गुप्त चिंता शत्रु का चित्त में भय साधन का चला जाना मित्र का ख्याल रहता है रोजगार का मध्यम होना कष्ट व्याधा हो खोटी दशा में बहुत बातों का ख्याल होता है तुम पक्षियों को अन्न बाजरा भोजन दो श्री वटुक भैरव का पूजन कराओ ये मंत्र जपो ॐ ऐं ह्रीं क्लीं श्रीं श्री विष्णु भगवान मम अपराध क्षमाय कुरु कुरु सर्व विघ्न विनाशाय मम कामना पूर्ण कुरु कुरु स्वाहा मंत्र के कराने से वंश की वृद्धि होती है रोजगार श्रेष्ठ होता है जीवकी प्राप्ती होती है राजद्वार से फतै होती है गई हुई लक्ष्मी फिर आती है सर्व कामना सिद्ध होती है

२०.हेप्रच्छक तुम्हारा काम फतेहोगा। स्वरदाहना चलताहै इससमयकेप्रश्न कायेहफलहै चिंताफिक्रमिटगा गईसो गई अवराखरही जिसनेउत्पन्नाकियाहै देगावहीजीवकीप्राप्तिहोगीराजद्वारसे लाभहोगाखुशीहोगीमंगलाचारहोगा एकमित्रमेंविशेषमनरहेहै आधीनरहेगा भूमिलाभहोगादशाबहुतदिनसेमध्यम थीअबदशा बदलनेवालीहै कामदेवकी प्रबलतामें न्यून बुद्धिहोजातीहे जबजो तुम्हारीरासपै ग्रहमध्यमहैंउनकादान निश्चैकरकेकराओ कामहोताहोतारुक जाताहैशत्रुहानिकरातेहैं काम औरके आधीनहै कई आदमियोंसे मिल कै कामहोगा अबदशाअच्छी आनेवाली है येजो और कामहै सोवहभी होगा

२१. हेप्रच्छकप्रश्नजरामध्यममालूम
होताहैपुत्रकीलाभसगाईरोजगारमध्य
मदशामेंमुशाकिलसेहोतेहैअर्थातूहोतार
लाभरुकजाताहैधनकानुक्सानधनहर
नहोताहैराजद्वारसेफतेहोनामुशकलहो
जाताहैउच्चपदवीनहींमिलतीजीवकी
प्यारेकीचिंताहोजातीहै जोकामसोचो
तारभंगहोजातीहैगुप्तशत्रुभांजीमारदेते
हैंएकमनोर्थ बहुतदिनसे सोचरक्खाहै
ईश्वरचाहेतंबहोअबतुमइष्टदेवऔरघरके
पित्रोंनिमित्तकुछजपदानकराओजिस
सेमनोर्थसिद्धहोजिसकीचाहनाहैवोमिले
जीबकीप्राप्तिहोरोजगारभारीहोराजद्वा
रसेफतेहो गईचीजमिलेमंगलाचार हो
इतनेपूजननबनेगाकोईकार्यदुरुस्तनहो
गा काममध्यमरहेगा अन्तमेंकुशलहै

२२. हे पृच्छक अब तुम्हारा मनोर्थ सिद्ध होगा श्रेष्टदशा आने वाली है उत्तम दशा गई चीज का मिलना रोजगार में लाभ अन्न से लाभ जीव की प्राप्ति राजद्वार में फतै घर में मंगल कष्ट व्याधि नष्ट यात्रा में लाभ और मन का मनोर्थ भी सिद्ध होगा अब तुम्हारी रास पर दो ग्रह नाकिस और बाकी हैं पत्रा देखो उनका जरा उपाय और श्रद्धा से करादो और श्याम को चींटिनाल जबतक बने तबतक दो दशा उत्तम आने वाली है पिछले दिन बहुत फिक्र से बीचे सो अब ईश्वर चाहे काम पूर्ण होंगे आस पूरी होगी मिलके लाभ एक जीव में चित्त विशेषकर रहता है सो आनन्द में बीतेगी काम देव की उन मत्तता में बुद्धि न्यून भी होजाती है

२३.हेप्रच्छकअः क्या फिक्रकरताहै तुम्हें
खुशखबरी हानेवालीहै कईसोगईअब
रास्ताहीअबबहुतदेनावहीमनोर्थपूर्णहों
गेपरन्तएक फिक्र भागमीखेहै ऊपरसे
खर्चआवेहैपासधनविशेपनहीं दीखता
परंतुचिंतामतकरनाकामबडाइज्जतके
साथबनेगाऔरकईजगहसेलाभ होगा
करनेवालाआपहैवहीफिक्रकररहाहैअब
विशेपलाभकीसूरतहोगी मित्रमेंचित्त
बहुतरहनाहैवे भोचित्तसेप्यारकरैहैअब
तुमशोघ्रइसकामकीसिद्धिचाहोतो श्री
गंगाजीके५ब्राह्मणजिमाखांडकेजिमाओ
औरसट्टचावलदहीदानकरोकामशीघ्र
फतैहोगाऔरगुप्त लाभहोगाघरमेंचांद
ना होगाएककाम गुप्तसे गुप्त न किस
बनाथा सोईश्वरका ध्यान रक्खे करो

२४.हेपच्छकतुमपर बहुतदिनोंसेदशा नाकिसथीनहींतो निहालहोजातेलाभ कीमूरतमेंहानपैदा होगईगुप्तशत्रुबुराई करेंहैअबएकऔरखुशीकीबाततुम्हेंहोने कोहोरहीहैदशानाकिसमें धनमालका निफलजानापीडाका घरमें बासहोना इज्जतकाभयहोना रोजगारमेंहानहो नाहुवाहुवाया मंगलाचारका हटजाना राजद्वारकीचिंताहोनी येसबबातनाकि स दशामेंहोतीहैंअबतुमशामकोघृतका दीपकशिवजीके मंद्रमें प्रज्वलितकरो औरजलकालोटाभरकेशिवजीकोऔर पीपलकोदो औरइतवारको ब्राह्मणजि माओकईग्रहतुम्हारीरासपरनाकिस हैं पत्रेमेंदेखोसोनाकिसदशाकाफलन्यून होजायगाजोमनोकामनाहै पूर्णहोगी

२५.हेप्रच्छकअबतुम्हारेखोटे दिनगये अच्छेआने वालेहैं अबतक तुमनेबहुत नाकिसदशाझली नाकिसदशा में ही ऐसेकामहोतेहैं जोफिकतुमपरहैं बहुत नुक्सानउठायालाभकमरहापीड़ा रूपी क्लेशमें धनखर्च औरचीज निकलगई इज्जतकाभयहुवापरन्तु अबअपनेइष्ट देवकापूजनपितृपीडाकाजतनऔरकूर ग्रहकादाननिश्चकरकेकराओफिरशीघ्र औरनयेलाभहोंगे जीवकीप्राप्ति मित्रसे मुलाकातजोहैविशेषहोगीघरमेंमंगला चारउच्चपदवी प्राप्तहोगी ग्रहकीपीड़ा नष्टहोगीशत्रुकानाश औरयेजोमनकी कामनाहैसो पूर्णहोगी औरवहेरफिक जोऊपरसेखर्चकेदाखेंहैंसोसबआनंदमें कांटासानिकलजायगाकामसिद्धहोगा

२६.हे प्रच्छक प्रश्न इस समय का बहुत श्रेष्ट तुम्हारा दीखता है बुरे दिन गये अच्छे आने वाले थे सो तुम्हारी रास पै दो तीन ग्रह मध्यम आ गये और तुमने उनका दान जप कराया नहीं इस कारण ऐसे फिक्र चिंता झेली लाभ कम रहा खर्च विशेष है पीडा की चिंता चित्त में भय सा होना काम उम्दा लाभ का अभी नहीं बना जीव की चिंता है वंश की वृद्धि को मंगलाचार होना एक अपना प्यारा है उससे मैं चित्त बहुत रहता है राजद्वार की चिंता अब छाया दान और चने की दाल पेला वस्त्र हल्दी स्वर्ण दान कराओ ईश्वर चाहे तो मन की कामना पूर्ण होगी उच्च पदवी मिलेगी जीव की प्राप्ति लाभ बढे भूमि से लाभ पीडा नष्ट होगी और राजद्वार से भी काम में फतह होगा

२७.हेप्रच्छक प्रश्न मध्यम है अभी तुम्हारीमर्जीमाफिककामहोनेमें देरहै कष्टरूपीरंजकेशाचिंताबहुत रही काम होताहोतारुकजावेहैयेमध्यम दशाका फलहैकहींगवनहोताभी ताज्जुब नहीं एकमित्रसेप्रीतबहुतहै एकशत्रुगुप्त है अबउसकामिलनाकठिनहैमंगलाचारमें देरहैएकजीवकीभीअबलाषाहैअबतुम नवगृहका पूजनदान करोदशा न्यून बदलेगीश्रेष्टआवेगीसो सब कामउत्तम होंगेजीवकीलाभगईहुईचीजफिरआवे गीकष्टबाधानष्टहोगीउच्यपदवीमिलेगी राजद्वारसेकामसिद्धहोगागुप्तचिंतामिटे गीचित्तमेंअनेकप्रकारकीवार्ताचित्तवन करतेहोचित्तकीवार्ताचित्तमेंसमाजाती है अबखुशीकी वार्ता सुननेमेंआवेंगी

२८.हेपच्छकजब दशाजीवपै नाकिस आतीहैऔरग्रहचौथेआठवेंबारहवेंहोज तेहैंतबएसेकामहोनेहैं खर्चविशेपलाभ कमऔरएकजीवकाबहुतध्यानरहताहै सोआरामिलेगा औरहाथसे निकला धनदेरसेप्राप्तहोगा जिसकामकोकरना चिचाराहो समझकेकरना अभीभाग्य उदयहोनेमेंकिंचितविलम्बहैएकामित्रमें वहुतमनरहताहैसोउससेप्रीतवढ़ेगीऔर मिलेगानयालाभहोगादोतीनग्रहतुम्हा रेनामकीरासपैकैड़ेहैंउनकापत्रादेखकर यत्नकराओनहींतोविशेपक्लेशहोगादुख होग्रहोंकायत्नहोतेहीआरामहोगाउच्च पदवीहोगीकाममेंफायदाहोएकजगह सेविशेपमालमिलेगाविलंभसेखातरजमा रक्खोईश्वरकाभजनकराकरोभूलोमत

२६.हेप्रच्छकतुह्मारीबुद्धिभ्रमैगारहती हैईश्वरकोसत्यनहीमानतेजिसनेइतना बड़ाकियाहै और बराबर रक्षा करी है सोवहकहींचलानहींगयाहै बराबररक्षा करेगा उस का भजन करो अन्त में आसा पूरणहोगी और गईसोगई अब राखरही औरवो मिलेगा मौजूदहैचिंता मतकरो आगमकी सूरतहोरहीहै एक काममेंविशेषलाभहोगा परंतुअबमंगल केवर्त और पक्षियोंको बाजरा भोजन डाल दिया करो वड़ा पुन्यका कामहै क्रूरग्रहोकाजपदान करातेरहाकरो मन वांछितफलमिलेगा कार्जसिद्धहोंगे जो वडेखर्चकेकाम समझरक्खेहैं कांटासा आनन्दमें निकल जायगा कामदेवकी उनमत्ता में वुद्धि न्यून होजाती है

३०. हे पृच्छक इस समय के प्रश्न का यह फल है कि तुमनेजो प्रश्न विचारा है सो काम सिद्ध होगा और लाभ की सूरत और आराम की सूरत नजरआतीहैपिछलेसालमहीनेमध्यम रहे खर्च विशेष आमदनी न्यून अब भाग्यउदयहोगा और कामफतह होगा थोड़ा बिलंब है लाभकी सूरत होकर हटजातीहै ईश्वरका स्मण चित्त लगा करकरो और घृत सांभर दानकरो अब नये सिरेसे आनन्द का प्रबन्ध होगा एक काम तुम से न्यून बनगया सो ईश्वर भी जाने है अब भजन विशेष करने से कार्य की सिद्धि होगी और बहुतसी प्राप्तिहोगी नवीननवीन वार्ता की समुद्रकी तरंगसीचित्तमें उठतीहै

३१.हेप्रच्छककाम तुम्हारेमें विलंबहै कामअभी ठीकनहोगा दशा नाकिसहै कईग्रह नाकिसहैं पंचांगखोलकर देखो सोचोहोकुछहोहैकुछकईबातकीचिंता हैजीवकीधनकीमंगलाचारकीकष्टरूपी क्लेशकीपरंतुतुम सतवादीहोसत्यबोलने कोपसंदकरतेहोझूंटसेक्रोधितहोतेहोपरा येकाममेंमनसेप्रीतलगाकेकरतेहोकिसी काबुरानहींचाहतेतुम्हेविघ्नकमहैपरंतु बुद्धिअकलबहोविद्यालोसेविशेपहैहरएक कीबातकोझूटसत्यकी परिक्षा समझलो होएककामन्यूनबनगयाथासोईश्वरकी भक्तिविशेषकरोश्रीगंगाजीके५ब्राह्मण खीरखंडकेजिमाओमनवांछितफलमि लेगालाभहोगाफिरपेरडाज फिक्रमझ रक्खाहै सबकामआनंदमें होजायगा

३२ हेप्रच्छक तुम्हारा प्रश्न शगुण
इसवक्त वहुतश्रेष्टहै तुम्हे बिना कार्ण
चिंता फिक्र भयसा उत्पन्न होजाताहै
बुद्धिभ्रमणहोजातीहै गयासोगयाफिर
आवेगा मिलेगा क्या मिलेगा आराम
मिलेगा धनामिलेगा मंगलाचार होगा
पीडाकानाशहोगा जीवकोखुशीहोगी
अकस्मात खुशखबरीहोगी अपने इष्ट
देव पित्रदेवताके निमित्त वस्त्र मिष्टान्न
कच्चादूध मावश्याको पिलातेरहाकरो
रोजगार वढेगा उच्च पदवी पाओगे
एकजीवकाध्यान मित्रकेध्यानमेंचित्त
वहुतरहताहै तुम्हे विद्यामध्यमहै परंतु
अकलवुद्धितेजहै किसीकाबुरा नहीचा
हतेसत्यवार्ताको पसन्दकरतेहो खर्चहै
अंजाम कुशलहै राजद्वारसेअन्तफतेहै

३३हेप्रच्छक येजोतुमने प्रश्नकियाहै
जोहोगयासोहोगया अबखुशीकीवार्ता
होनेवालीहैखोटेदिनगये श्रेष्टआनेवाले
हैंआरामहोगाकारजफतै होगाजिसकी
चाहनाहैमिलेगाऔरयेजोचित्तमेंकाम
बिचाराहैदेरसे होगा दिनतुमकोबहुत
दिनोंसे मध्यमहैं माजिकेमाफिकलाभ
नहींहैनष्टदशामेंरजक्लेशपीड़ागुप्तचिंता
शत्रुताहोतीहैसोअपनीरासपै जोदोतीन
ग्रहनाकिसहैंदानमंत्र जपाकरो तबघर
में आनन्द मंगलाचार जीवकी प्राप्ति
यात्रासे लाभ काम फतैहोंगे गुप्तप्राप्ति
होगी तुम्हारेशरीर पै व्रणयानी फोडे
फुंसी का निशान है आलस्य रहताहै
नई नई बात का चितवन करते हो

३४ हे प्रच्छक तुम को पिछले दिन बहुत नाकिसाफिक्रसे गुजरे और खर्च विशेषलाभ मध्यम सोअबप्राप्तिहोगी जीवकालाभहोगा व्याधा रंजनष्टहोंगे घरमें खुशीहोगी।चित्तकीचिंता।चित्तमें समाजातीहै समुद्रकी तरंगसीनईनई उठतीहैंसोब्रथाजातीहै एकजीवमें।चित्त बहुतरहताहै अबईश्वर चाहेतो कहींसे खुशीकी बातसुनोगे।उच्चपदवी प्राप्तहो गी। नाकिसग्रहोंकादान औरसबेरश्याम शिवजीका भजनकरेकरो और येजो प्रश्नकिया है वो काम भी फतैहोगा मिलेगा फिक्र गया यात्रा से लाभ होगा गई सो गई अब राख रही को काम काबू से बाहर है सिद्ध होगा ईश्वरका भरोसाकरो काम फतै होगा

३५ हेप्रच्छकतुम्हारा कार्यसिद्ध होगा प्रथम दशा न्यून थी अब दशा श्रेष्ठ आनेवालीहै जीवकी चिंता औरलाभ का उद्योग विशेष परन्तुलाभ अधूरा होताहै और येजो अबफिक्रहैखर्चसो दूरहोयगाआरामगुप्त वोभीमिलेगाफतै होगा कष्टनष्ट होगा कईग्रह नामकी रासपरनाकिसहैंसोउन ग्रहोंका उपाय वि.धिपूर्वकपंडितसेकराओ बिनादानके करायेकार्यसिद्धदेरसेहोगाइसकारणचा वलमिष्टान्नस्वेतवस्त्ररजानित अर्थात् श्र द्धाप्रमाणचांदीदानकाकरना बहुतश्रेष्ठ हैमनकीकामनापूर्णहोगी अचानकला भकीसूरतहोगीचित्तस्थिरकरके किसी कालईश्वरकाभजनकराकरो प्रश्नश्रेष्ठ हैं अंजाम कुशलहैं तीर्थयात्रा श्रेष्टहै

३६ के प्रच्छक इस समय के प्रश्न का ये फल है कार्य आधीन सेव, द्रव्य अर्थ, तू काम कान्ह से बाहर चिंता कष्ट कई जीव शत्रुता गुप्त करें है परंतु उनसे कुछ होनहीं सक्ता १ जीवमें चित्त बहुतरहता है दशा मध्यम के कारण अनेक प्रकार की हानवार्ता लाभ सो चो हो समुद्र की लहर सी उठती है नई नई बात का चितवन होकर निर्फल होता है कई फिक्र भारी लगे हुवे जीव की प्र सिद्ध रोगी फतै और चंगा होगा और ये जो अब चिंता है सब दूर होपी तदान करो चने की दान हलदी पेला वस्त्र पेले पुष्प सुवर्ण श्रद्धा प्रमाण गुप्त चिंता दूर होगी कार्य फते होगा मनवांछित फल प्राप्त होगा दशा न्यून के कारण फिक्र चिंता गृह में क्लेश होता है अब दशा श्रेष्ट आनेवाली है ये कार्य होकर नवीन कृत्य करोगे ॥

३७ हे प्रच्छक तुम्हारा प्रश्न चिंता रूपी कष्टका है खर्च विशेष जीवकी लालसा जीव चिंतातर है २ उद्वेग चित्त स्थिर नहीं काम काबृमें बाहर है दूसरे आदमियों को भी बहुत फिक्र है जब दशा मध्य में होती है अपने भी पराये होजाते हैं परंतु अभी कार्य में विलम्ब है कामना पूर्ण तो होगा परंतु पापग्रहों का पूजन विधिपूर्वक बटक भैरवका मंत्र भी जपावाओ [मंत्र] ॐ ऐं ह्रीं क्लीं श्रीं बटुकभवाय आपदुद्धारणाय सर्वविघ्ननिवारणाय मम रक्षा कुरु कुरु स्वाहा। इस मंत्र के जाप से मनोकामना पूर्ण होगी और ये जो चित्त को दीर्घ चिंता है सो काम होओ और मिलेगा खर्च विशेष है एक जीव में चित्त भी बहुत रहता है लाभ अधूर होते हैं नई २ वार्ता का चितवन रहता है परन्तु अन्त में कुशलता है

३८ हे प्रच्छक कामना पूर्ण होगी खुशी
की बातें होनेवाली है मिलेगा मार्जके मा
फिक काम हो चित्त उसबिना व्याकुल
सा रहता है दशान्यून के कारण ऐसे काम
हुए धन का खर्च जीवका दुख काम
दूसरे के काबूमें होना और दोतीन ग्रह
तुम्हारी रासपै कैडे हैं मध्यम हैं पंचांग में
देखो उनमध्य में ग्रहों का पूजन दान मंत्र
स्थिर चित्त करके कराओ कार्य शीघ्र सि
द्ध होगा और ये जो फिक्र है सो दूर होगा
और कई फिक्र खर्चके आवैं हैं सो काम
सिद्ध होंगे धन मिलेगा जीवकी प्राप्ति
होगी परन्तु विलम्ब है पूजन दान से कार्य
सिद्ध होगा गुप्त लाभ होगा अब अंजाम
अच्छा दीखहै कार्यमें भी लाभ होगा
शिव जी का पूजन नित्य किया करो

३९ इससमयकेप्रश्नका फलयेहैकिका
मठीकेबैठगायान बैठगाइज्जनका भय
होजाताहै ऐसीदशामेंगवनभीहोता है
गुप्तचिंतारहेहैं कभीचित्तमेंकुछआताहै
कभीकुछआताहैऐसीदशामें खर्चाविशे
षहोताहै एकगुप्तमनोर्थहैसोकबतकआ
रामहोगासो अवन्यूनदशावीचनेवाली
हैऔरश्रेष्टआनेवालीहै परन्तुकाममेंदेर
हैइष्टदेवकापूजनकरनाचाहियेपित्रोंके
निमितमिष्टान्नबस्त्रकच्चादूध पीपलको
जलदेना श्रेष्टहै कईमहिनेसेभाग्यकीही
नतायानीमध्यमहैपूजनकरनेसेधनकी
प्राप्तिजीवका मिलना कष्टरूपीरजका
दूरहोना येजोअब वहुतचिंताहै काम
जरादेरसे मर्जीकेमाफिक होगा काम
कावूसे वाहर होगया दशा मध्यमहै

४०हेप्रच्छकतुम्हारी रासपै आजकल
कईग्रहनाकिसहैं पंचांग खोलकरदेखो
जबऐसेग्रहरासपैआतेहैं लाभकमहोती
हैशत्रुउत्पनहोतेमित्र व प्यारोंसेजुदाई
होतीहैकष्ट रंजहोतेहैं आमदनीहोतीर
रुकजातीहैजहांपूर्णलाभसमझोअधूरा
होताहैएकजीवलालसाआसलगीरहेहै
व्यैदीर्घलाभमध्यसहो कामहोनेकोहो
फिरतारभंगहोजाहैसोअबमध्यमग्रहों
केदानजापकराओ आपभीये मंत्रजपो
ॐऐंह्रींक्लींश्रीवासुदेवायनमःवबटुकभैर
वायआपदुद्धारणायममरक्षाकुरुकुरुस्वाहा
दानमंत्रजापकरनेमेयेजोतुम्हारेमनकी
कामनाहैपूर्णहोगीप्राप्तहोगीकष्टदूरहो
पुत्रोंकालाभराजसेफतैमित्रसेप्रीतविशेष
इतनेउपायनबनेगादशा मध्यमरहेगी

४१.हेपच्छक ये जोतुमने प्रश्नकिया है जोहोगयासोहोगया अरखुशीकीबातों होनेवालीहैखोटेदिनगये श्रेष्टआनेवाले हैंआरामहोकारजफतेहोगाया जिसकी चाहनाहैमिलेगाऔरयेजोचित्तमेंकाम विचाराहै देरसेहोगा दिन तुमको बहुत दिनोंसे मध्यमहैं मर्जीकेमाफिक लाभ नहींहैनष्टदशामेंरंजक्लेशपीड़ागुप्तचिंता शत्रुताहोतीहैसोअपनीरासपैजोदाताम प्रश्नाकिसहैं दानमंत्र जापकरो तबघर में आनन्द मंगलाचार जीव कीप्राप्ति यात्रासे लाभ काम फतेहोंगे गुप्तप्राप्ति होगी तुम्हारे शरीर पै व्रणयानी फोड़े फुंसी का निशान है आलस्य रहताहै नई नई बात का चिंतवन करते हो

४२. हे प्रच्छक तुम को पिछले दिन बहुत नाकिस फिक्र से गुजरे और खर्च विशेष लाभमध्यम सो अब प्राप्तिहोगी जीवका लाभहोगा व्याधा रंजन छूटेंगे घरमें खुशीहोगी चित्तकी चिंता चित्तमें समाजातीहै समुद्रकी तरंगसी नई नई उठतीहैंसोवृथा जातीहैं एकजीवमें चित्त बहुतरहताहै अब ईश्वर चाहेतो कहींसे खुशीकी बातसुनोगेउच्चपदवी प्राप्तहो गी नाकिस ग्रहोंकादानऔरसुबेस्याम शिवजीका भजनकराकरो और येजो प्रश्न किया है वो कामभी फतेहोगा मिलेगा फिक्र गया यात्रा से लाभ होगा गई सो गई अब राख रही को काम काबू से बाहर है सिद्ध होगा ईश्वरका भरोसाकरो काम फतै होगा

४३. हे प्रच्छक तुम्हारा कार्य सिद्ध होगा प्रथम दशा न्यून थी अब दशा श्रेष्ठ आनेवाली है जीवकी चिंता और लाभ का उद्योग विशेष परन्तु लाभ अधूरा होताहै और ये जो अब फिक्रहै खर्चसो दूर होगा आराम गुप्तवो भी मिलेगा फतै होगा कष्ट नष्ट होगा कई ग्रह नाम की रासपर नाकिसहैं सो उन ग्रहोंका उपाय बिधिपूर्वक पंडितसे कराओ बिना दानके कराये कार्य सिद्ध देरसे होगा इसकारण चावल मिष्टान्न स्वेतबस्त्र रजानित अर्थात् श्रद्धाप्रमाण चांदी दानका करना बहुत श्रेष्ठ है मनकी कामना पूर्ण होगी अचानक लाभकी सूरत होगी चित्त स्थिर करके किसी कालईश्वरका भजन कराकरो प्रश्न श्रेष्ठ है अंजाम कुशल है तीर्थ यात्रा श्रेष्ठहै

४४,हेपरुछकइससमयकेप्रश्नका येफल
हैकार्यआधीनसेवाहरअर्थातकामकाबू
सेवाहरचिंताकष्टकईजीवशत्रुतागुप्तकरे
हैपरंतुउनसे कुछहोनहीं सक्ता१जीवमें
चित्तबहुतरहताहैदशामध्यमकेकारण
अनेकप्रकारकीहानवार्तालाप सोचोहो
समुद्रकीलहरसीउठतीहै नईनईबातका
चितवनहोकरनिष्फल होताहै कईफिक्र
भारीलगेहुवेजीवकीप्राप्तिहोगीफिरऔर
चंगाहोगाऔरयेजो अबचिंताहैसब दूर
होपीतदानकरोचनेकीदालहलदी पेला
वस्त्रपेलेपुष्पसुवर्णश्रद्धाप्रमाणगुप्तचिंता
दूरहोगी कार्यफतेहोगा मनवांछितफल
प्राप्तहोगादशान्यूनकेकारणफिक्रचिंता
गृहमेंक्लेशहोताहै अबदशाश्रेष्ट आने वा
लीहैयेकार्यहोकरनवीन कृत्यकरोगे ॥

४५. हेप्रच्छकतुम्हाराप्रश्नचिंतारूपीक
ष्टकाहैखर्चविशेषजीवकीलालसाजीव
चिंतातरह२उदवेगचित्तस्थिरनहींकाम
काबूसेबाहरहैदूसरेआदामियोंकोभीबहु
तफिक्रहैजवदशामध्यमहोतीहैअपनेभी
परायेहोजातेहैंपरंतुअभीकार्यमेविलम्ब
हैकामनापूर्णतोहोगी परंतु पापगृहोंका
पूजन विधिपूर्वक बटुकभैरवका मंत्रभी
जपवाओ(मंत्र)ॐऐंह्रींक्लींश्रीबटुकभैरवा
यआपदुद्धारणाय सर्वविघ्ननिवार्णायम
मरक्षाकुरुकुरुस्वाहा। इसमंत्रकेजापसे
मनोकामनापूर्णहोगीऔरयेजोचित्तको
दीर्घचिंताहैसोकामहोऔरमिलेगाखर्च
विशेषहैएकजीवमेंचित्तभीवहुतरहताहै
लाभअधूरेहोतेहैं नई२बातोंकाचिंतवन
रहता है परन्तु अन्त में कुशलता है

४९. इच्छक कामना पूर्णहोगी खुशी कीवार्ताहोनेवालीहै मिलेगा मर्जीकेमा फिक्र कामहो चित्त उस विना व्याकुल साहनाहैदशा न्यूनकेकारण ऐसेकाम हुए धन का खर्च जीवकादुख काम दूसरेके काबूमें होना और दो तीन गृह तुम्हारीरासपैकेडेहैं मध्यमहैं पंचागमें देखो उनमध्यमग्रहोंका पूजनदानमंत्र स्थिरचितकरके कराओकार्य शीघ्र सिद्ध होगा और येजो फिक्रहै सोदूरहोगा और कई फिक्र खर्चके आवैहैं सो काम सिद्धहोंगे धन मिलेगा जीवकी प्राप्ति होगी परंतु विलम्बहै पूजनदानसेकार्य सिद्धहोगा गुप्त लाभहोगा अब अंजाम अच्छा दीखैहै कार्यमें भी लाभ होगा शिवजी का पूजन नित्य किया करो

४७,इससमयके प्रश्नका फलयेहैकिका
मठाकबैठेगाथान बैठगाइज्जतकाभय
होजाताहै ऐसीदशामेंगवन्भीहोता है
गुप्तचिंतारहैहैकभीचित्तमेंकुछआताहै
कभीकुछआताहै ऐसीदशामें खर्चाविशे
षहोताहैएकगुप्तमनोर्थहैसोकबतकआ
रामहोगासोअबन्यूनदशाबीचनेवाली
हैऔरश्रेष्टआनेवाली है परन्तकाममेंदेर
हैइष्टदेवकापूजनकरानाचाहियेपित्रोंके
निमित्तमिष्टान्नवस्त्रकच्चा दूध पीपलको
जलदेनाश्रेष्टहैकईमहीनेसेभाग्यकीही
नताथानीमध्यमहैपूजनकरनेसेधनकी
प्राप्तजीवकामिलनाकष्टरूपी रंजका
दूरहोनाये जो अब बहुत चिंता है काम
जरादेरसे मर्जीकेमाफिक होगा काम
काबूसेबाहर होगया दशा मध्यम है

४८. हेमच्छकतुम्हारी रासपै आजकल कईग्रहना।किसहैं पंचांग खोलकरदेखो जबऐसेग्रहरासपैआतेहैंलाभकमहोती हैशत्रुउत्पनहोतेमित्र व प्यारोंसेजुदाई होतीहैकष्टरंजहोतेहैं आमदनीहोती २ रुकजातीहैजहांपुर्णलाभसमझोअधूरा होताहैएकजीवलालसाआसलगीरहे है ज्यैदीर्घलाभमध्यमहो कामहोनेकोहो फिरतारभंगहोजाहैसोअबमध्यमग्रहों केदानजापकराओ आपभीयेमंत्रजपो ओंऐंह्रींक्लींश्रींवासुदेवायनमः वटुकभैर वायआपदुद्धारणायममरक्षा कुरुकुरुस्वाहा दानमंत्रजापकरनेसेयेजातुम्हारेमनकी कामनाहैपूर्णहोगीप्राप्तहोगीकष्टदूरहो पुत्रोंकी लाभराजसेफतेमित्रसेप्रीतविशेष इतनेउपायसेग्रहदशा मध्यमरहेगी

४९. हेपच्छकयेजो तुमने प्रश्नाकियाहै
अबदशाश्रेष्टआनेवालीहैकामनापूर्णहो
गीजोकामचित्तमेंधारणाकराहैसोमिले
गाचितादूरहोगीकामफतैहोंगे मित्रोंसे
प्रीतऔरकष्टपीड़ानष्टहोगीजोविचाराहै
कामठीकवैठेंगेदशाबहुतादिनोंमेमध्यम
थीव्यैविशेपहुवाजीवकीप्राप्ति होगीरिण
कीन्यूनताहोयप्रश्नश्रेष्टहै उद्योगवउपाय
पहलेतुमनेबहुतेरेकरेपरानिर्फलगयेकाम
काबूसबाहरहै परअबईश्वरआनन्दखुश
खबरांकीवातांकरैगेगुसन्नाभहोयेजोप्रश्न
विचाराहैइसकेवास्तेश्रीदेवीदुर्गालक्ष्मी
कापूजनकराओ चावलचांदीस्वेतवस्त्र
श्वेतफूलकादानकराओ कईग्रहमध्यम
हैंसोउपायकरनेसेशीघ्रमनकी कामना
पूर्ण होगी एकजीवका ध्यानरहना है

५०हेप्रच्छककामकाबूमें बाहरहै और
धनकाव्यैविशेपहैअकस्मातयेमामलाहै
सोजीवकीचिन्ताहैऔरआदमीको भी
चिंताबहुतहैइज्जतकाख्यालहैबडे२खर्च
दीखेहैंऔरतुमपरउपकारीसत्यवार्ताको
पसंदकरोहो छलछिद्रके कामकोपसंद
नहींकरतेतुम्हाराप्रश्नजावऔर धन का
हैऔरइज्जतकाभयहोताहैअनेकप्रकार
कीबातासोचोहो निर्फलजाती है पता
नहींलगताजतनभीकरेअवनवग्रहों का
दानमंत्रजापकराओयेकामईश्वरचाहे
तोठीकहोनेवालाहैऔरआदमीभीसहा
यताकरेंगेकईशत्रुहैंग्रहइष्टदेवकापूजन
कराने से काम मनइच्छा पूर्ण होगा
और मिलेगा वंश की वृद्धि होगीजी-
व लक्ष्मी प्राप्त होगा आराम होगा

५१.हेप्रच्छकइससमयकेप्रश्नकरनेका
येमामलाहैस्वरदुस्वभावहैघरमेंचमत्का
रीहोक्लेशमिटेव्याधाटलेजिसकाप्रश्नहै
वोशैमिलेगीयानमिलेगीमंगलाचारकद
तकहोगा लाभखुशीकबतकहोगीऐसी
दशाकबतकरहेगी जीवकीचिंताहै वंश
कीवृद्धिहोआजकल तुमसोचोहो कुछ
होयहैकुछ दोतीनग्रहरासपैनाकिसआ
रहेहैंसोउनकाउपायदानपुन्यजापकरा
नेसेंचित्तकामनोर्थसिद्धहोगा खुशीहो
कामपरायेआधीनहैअबतुमचींटीनाल
जिमाओतोश्रेष्टहैभूखोंकोभोजनदोका
र्येसिद्धहोगादशाउतरनेवालीहै मनोर्थ
पूर्णाहोंगेअनेकप्रकारकीलाभकीसूरतहो
औरयेजो ऊपरसे फीक्र दीखैहैंसोसब
कांटासा निकलजायगा दशामध्यमहै

५२. इमसमयजो आपनेप्रश्नकियाहै ऐसेस्वरमेंयेबातहै किगुप्तचिंता१जीव कीलालमाबनीरहतीधनसेहीसारकार्य सिद्धहोंहैं रोजगार मेंमध्यमलाभहैसो प्राप्तहोगीयानहींमंगलाचारकीसूरतक वतकहोजिससेघरमेंचांदनाहोआराम होकबतकादिनकैडेहैंगुप्तलाभभी होगी येझगड़ाकबतकमिटेगादिनरातचित्तमें चिंताक्लेशरहेहैकबतकदिनअच्छेआवेंगे येप्रश्नब्राह्मणकोदही लड्डूमिष्टानभोज नदेनेमेकामहो अपनेइष्टदेव कापूजन घरमें पित्रपीड़ाका उपायकरोउपायके करानेसेअबकेकामसिद्धहोइज्जतबढेगी सबसेजीतोगेशत्रुरूपीग्रह हानकररहेहैं दिनरातनईनईवार्तासोचोहोसबनिर्फल जातीहै परन्तु अंजाम कुशलता है ॥

५३ इसमयके प्रश्नकार्यफलहैजीव चिंताभविष्यति घनन्यूनंदिनेदिनेमंग लाचारविलम्बस्यपराधीनकृत्ययोराज द्वारकन्यार्थरिथरोकार्यद्रष्टय:ग्रहपीडा चप्राप्नोतिभृगुणापरिभाषित:मध्यमद शामेंमध्यमकार्यहोजातेहैंमनकीवार्ता कबतकपूर्णहोगी मिलेगीयानहीं रोज गारकीहानीहै कबतकवृद्धिहोगीआज कलदिननाकिसहैं घरमें चांदना कब तकहोयेकामअबकेभीफतहहोगाजिस सेबंशकीवृद्धि हो तुम्हारीरासपैकईग्रह मध्यमहैपत्रादेखोनाकिसग्रहोंकादान मंत्रजापछायादानकरानेसे अबयेमनो थंसिद्धहोगाकामकाबूसेबाहरहैमामला ईश्वरकेआधीनहे परन्तुजोबातचित्तमें औरहैयेगृहकाप्रभावहै अन्तअच्छाहै

५४ हेपृच्छक तुम्हारा प्रश्न जीव की
चिंताकाहैकाम पराधीन कावृसेबाहर
होगया बहुतरेयत्नकरोहो बहुतेरीबातें
सोचोहो मंगलाचार खुशी वंशकीवृद्धि
राजद्वाराविद्याकीसिद्धिधनकीजीतश्रेष्ट
दशामेंहोतीहै अबजोतुम्हेयेचिंताऔर
लालसा जीवकीहै सो काममेंविलंबहै
परंतुमिलेगाऔरहोगापरंतुजतनउपाय
सेइच्छापूर्णहोगी घरमेंस्वप्नभी दीखैहै
आरामकी सूरतहोगी जीवप्राप्तिहोगी
इज्जतकाकामहो संदेहमिटेगा धनका
मनोर्थपूर्णहोगा देवीका पूजनकराओ
औरअपनेहाथसे घृतखांडचावलचांदी
कादानकरोईश्वरचाहेतोउपायकरतेही
इच्छापूर्णहोगी औरतुमपरउपकारीहो
सत्यवादीहो असत्यकोपसंदनहींकरते

५५. हेप्रच्छकाचित्तचिंताभविष्यातिगृ
हक्लेशनसंशयःधनमानम हानिपीडा
देहदीर्घतामंगलाचारकंयोगःवंशवृद्धिच
प्राप्तयेराजद्वारकन्यायंधनहानिविलंब
ताप्रश्नकाफलयेहैतरह२कीवार्तालाभ
सोचोहोकामकाबूसेबाहरहै दशाकईम
हीनेमेमध्यमहैन्यूनदशामेंधनहानिवि
षेशव्ययलाभमध्यमचिंताक्लेशनुक्सान
होतेहैंराजद्वारमेंभीकाममर्जीकेमाफि
कनहींहोतेसोकामकबतकहोगाजोघर
मेंचंदनाचमत्कारीहोवंशकीइज्जतकी
वृद्धिहोऔरवोमिलेएकजीवमेंचित्तविषे
शगहताहैसोशिवजीकापूजनचींटीनाल
देनाश्रेष्ठहैओरअपनेहाथसेगुड़गेंहूंलाल
वस्त्रलालपुष्पआदिदानकरकेदईश्वरचा
हेतोअबकामशीघ्रहोकामनापूर्णहोगी

५६हेप्रच्छयगुप्तचिंताशरीरेनधनहानी
चदृश्यते गृहपीड़ा भविष्यति दृश्यते
भाग्यमंदताजीवचिंताचप्राप्तोतिमंगला
चारहर्षकंधननष्टनसदेहोजीवप्रश्नेचप्रा
सयेइससमयदुसुभावस्वरहैइसमेंभाग्य
कीवृद्धिवंशकीवृद्धिमंगलाचारराजद्वार
मेंन्यायकिसीप्यारेकीचिंताविद्याकाला
भरोजगारकृत्यपीडाकायत्नदुस्वभाव
स्वरमेंइसप्रकारप्रश्नहोतेहैंसोतीन ग्रह
तुम्हारीरासपैआजकलनाकिसहैंपत्रमें
देखोनाकिसहैंयानहींजरूरहैंइननाकि
सग्रहोंकादानमंत्रजापकराओ जिससे
भाग्यकीवृद्धिकानालाखुलेऔरउच्चपद
वीमिलेऔरयेजीवकीप्राप्तिकेमंगलाचा
रकेकामहोंऔरगयागईहुईचीजप्राप्तहो
अंजामकुशलहैजिसे चाहोसो मिलेगा

५७. हेप्रच्छकतुम्हाराप्रश्न जीवरूप लक्ष्मीकाहै चिंतादीर्घहैऔर स्वरदुस्व भावहैप्रश्नदोतरहकेसेहैंएकशैका अल गहोजाना रोजगारमध्यमहोना चित्त कीचिंताचित्तमेंही समाजातीहै घरमें अंधेरासाहै जीवकीलालसाहैजतनभी करेपरन्तुवृथागएगुप्तचिंता इज्जतका ख्यालहै औरयेख्यालहैअबकेभीकाम होगाराजद्वारकाउच्चपदवीकी अशा हैअबचिंताइसप्रश्नकीहैसोकाम ईश्वर आधीनहैदिनबहुतसमयसे मध्यम है भाग्यउदयहोनेकोहोताहैफिररुकजाता हैअबपूजनश्री दुर्गादेवीकाकरानाचाहि येकईग्रहरासपेकैदहैं उनकाउपायकरा नाचाहियेकामफतहहोकष्टबाधनष्टहो लाभकीसूरतअच्छीबनेगी वो मिलेगी

५८.हेपच्छंकदीर्घ।चिंताचप्राप्नोतिजीव
प्राप्तिनदृश्यतेभयभीतहृदादृश्यपराधी
नोपिकृत्यथाराजद्वार कंकार्यधनव्यय
भविष्यतिअंतकार्यमहासिद्धिभूगुणाप
रिभाषतःतुमपैवहुतदशान्यूनथीअनेक
प्रकारकोफिक्र जीवाचिंताधनका जाना
गुप्तक्लेशरहा तुम्हाराचित्तएकजीवमेंत
त्परहैनईनईवार्तालाभमोचाहोसोप्रथा
जातीहैअवरोजगारकीभीसूरतहोगीये
जोजीवकीलालसाहैपूर्णहो।परंतुविलंबहै
देरसेफतहहोगाकाममेंलाभहो।ग छाया
दानगुड़गेंहुंलालवस्त्रसुवर्णदानमे शीघ्र
मनकीकामनापूर्णहोगीऔरदूसरालाभ
काकार्यभीसिद्धिहोगा कामदेवकीउन
मत्तामेंनीचबुद्धिहोजातीहै सोग्रहकाप्र
भावहैअंजामकुशलभूमि लाभ होगा

५९.हेप्रच्छक तुम्हारा काम काबू से बाहरहै दिनरातविचित्रतरहरकीवार्ता लाभसोचोहोबनकरकामकीआनन्दकी सूरत मध्यमसीहोगई ऐसीदशामेंगुप्त चिंताशत्रुकाचित्तमेंभयसाधनकाचला जानामित्रकाख्यालरहताहैरोजगारका मध्यमहोनाकष्टव्याधाहोखोटीदशामें बहुतबातोंकाख्यालहोताहै तुमपक्षियों कोअन्नबाजराभोजनदोश्री बटुकभैरव कापूजनकराओयेमंत्रजपोउँऐंह्रींक्लींश्रीं श्रीविष्णुभगवानममअपराधक्षमायकुरु कुरुसर्वविघ्नविनाशायममकामनापूर्ण कुरुकुरुस्वाहामंत्रकेकरानेसेवंशकीब्रद्धि होतीहैरोजगारश्रेष्टहोताहैजीवकीप्राप्ती होतीहैराजद्वारसेफतेहोतीहैगईहुईलक्ष्मी फिर आतीहै सर्वकामना सिद्धहोतीहै

६०.हेप्रच्छक तुम्हारा काम फतेहोगा
स्वरदाहना चलताहै इससमयकेप्रश्न
कायेहफलहै चिंताफिकमिटेगा गईसो
गई अवराखरही जिसनेउत्पन्नाकियाहै
देगावहीजीवकीप्राप्तिहोगीराजद्वारसे
लाभहोगाखुशीहोगीमंगलाचारहोगा
एकमित्रमेंविशेषमनरहेहैआधीनरहेगा
भूमिलाभहोगादशावहुतदिनसेमध्यम
थीअबदशा बदलनेवालीहै कामदेवकी
प्रबलतामें न्यून वुद्धिहोजातीहै जवजो
तुम्हारीरासपै ग्रहमध्यमहैंउनकादान
निश्चैकरकेकराओ कामहोताहोतारुक
जाताहैशत्रुहानिकरातेहैं काम औरके
आधीनहै कई आदमियोंसे मिल कै
कामहोगा अबदशाअच्छी आनेवाली
है येजो और कामहे सोवहभी होगा

६१. हे प्रच्छक प्रश्न जरा मध्यम मालूम होता है पुत्र की लाभ सगाई रोजगार मध्यं म दशा में मुशकिल से होते हैं अर्थात् होता २ लाभ रुक जाता है धन का नुकसान धन हर नहीं होता है राजद्वार से फतेह होना मुशकल हो जाता है उच्च पदवी नहीं मिलती जीव की प्यारे की चिंता हो जाती है जो काम सोचो तार भंग हो जाती है गुप्त शत्रु भी जी मार देते हैं एक मनोर्थ बहुत दिन से सोच रक्खा है ईश्वर चाहे तब हो अब तुम इष्टदेव और घर के पित्रों निमित्त कुछ जप दान कराओ जिस से मनोर्थ सिद्ध हो जिस की चाहना है वो मिले जीव की प्राप्ति हो रोजगार भारी हो राजद्वार से फतेह हो गई चीज मिले मंगलाचार हो इतने पूजन बनेगा कोई कार्य दुरुस्त न होगा. काम मध्यम रहेगा अन्त में कुशल है

६२. हेपच्छकअबतुम्हारा मनोर्थसिद्ध होगा श्रेष्टदशाआनेवालीहैउत्तम दशा गईचीजका मिलना रोजगारमें लाभ अन्नमेंलाभजीवकीप्राप्तिराजद्वारमेंफतै घरमेंमंगलाकष्टव्याधानष्टयात्रामेंलाभ औरमनका मनोर्थभी सिद्धहोगा अब तुम्हारी रासपर दोग्रह नाकिस और बाकीहैं पत्रादेखो उनकाजरा उपाय और श्रद्धासे करादो और श्याम को चींटीनालजबतक बनेतबतकदो दशा उत्तम आने वालीहै पिछलेदिन बहुत फिक्रसेबीचेसोअबईश्वरचाहे कामपूर्ण होंगे आसपूरीहोगी मिलके लाभएक जीवमें चित्त विशेषकर रहता है सो आनन्द में बीतेगी काम देव की उन मत्तता में बुद्धि न्यूनभी होजाती है

६३.हेप्रच्छकअंदकगा फिक्रकरोहातुम्हें खुशखबरी हानेवालीहै गईसोगई अब र।खरहीअबबहुतदेगावहीमनोर्थपूर्णहों गेपरन्तएक फिक्र भारीवीखेहैऊपरसे खर्चआवेहेपासधनविशेषनहीं दीखता परंतुचिंतागतकरनाकामबडाइज्जतके माथबनेगाऔरकईजगहसेलाभ होगा करनेवालाऔरहैवहीफिक्रकररहाहैअब विशेषलाभकीसूरतहोगी मित्रमेंचित्त बहुतरहनाहैबे भीचित्तसेप्यारकरेहैअव तुमशाघ्रइमकामकीसिद्धिचाहोतो श्री गंगाजीके५ब्राह्मणखीरखांडकेजिमाओ औरसहीचावलदहीदानकरोकामशीघ्र फतैहोगाऔरगुप्त लाभहोगाघरमेंचांद ना होगाएककाम गुप्तसे गुप्त न किस बनाथा सोईश्वरका ध्यान रक्खे करो

६४.हेप्रच्छकतुमपर बहुतदिनोंसेदशा नाकिसथीनहींतो निहालहोजातेलाभ कामूरतमेंहानपैदा होगईगुमशत्रुबुराई करेहैअबएकऔरखुशीकीबाततुम्हेंहोने कोहोरहीहैदशानाकिसमें धनमालका निकलजानापीडाका घरमें बासहोना इज्जतकाभयहोना रोजगारमेंहानहो नाहुवाहुवायामंगलाचारका हटजाना राजद्वारकीचिंताहोनी येसबबातनाकि सदशामेंहोतीहैंअबतुमशामकोघृतका दीपकशिवजीके मंद्रमें प्रज्वलितकरो औरजलकालोटाभरकेशिवजीकोऔर पीपलकोदो औरइतवारको ब्राह्मणाजि माओकईग्रहतुम्हारीरासपरनाकिस हैं पत्रेमेंदेखोसोनाकिसदशाका फलन्यून होजायगाजोमनोकामनाहै पूर्णहोगी

६५.हेप्रच्छकअबतुम्हारेखोटे दिनगये अच्छेआने वालेहैं अबतक तुमनेबहुत नाकिसदशाझेली नाकिसदशा में ही ऐसेकामहोतेहैं जोफिक्रतुमपरहैं बहुत नुक्सानउठायालाभकमरहापीड़ारूपी क्लेशमें धनखर्च औरचीज निकलगई इज्जतकाभयहुवापरन्तु अबअपनेइष्ट देवकापूजनपितृपीडाकाजतनऔरकूर ग्रहकादानानिश्चैकरकेकराओफिरशीघ्र औरनयेलाभहोंगे जीवकीप्राप्ति.मित्रसे मुलाकातजोहैविशेषहोगीघरमेंमंगला चारउच्चपदवी प्राप्तहोगी ग्रहकीपीड़ा नष्टहोगीशत्रुकानाश औरयेजोमनकी कामनाहैसो पूर्णहोगी औरवहेरफिक्र जोऊपरसेखर्चकेदेखेहैंसोसबआनंदमें कांटासानिकलजायगाकामसिद्धहोगा

६६.हेप्रच्छक प्रश्न इससमयकाबहुत श्रेष्ठतुम्हारादीखताहै बुरेदिनगयेअच्छे आनेवालेथे सोतुम्हारीरासपैदोतीनग्रह मध्यमआगयेऔरतुमनेउनकादानजप करायानहीं इसकारण ऐसेफिक्रचिंता झेलीलाभकमरहाखर्चविशेषहैपीडाकी चिंताचित्तमेंभयसाहोनाकामउम्मेदका भकाअभीनहींबनाजीवकीचिंताहैवग कीवृद्धिकोमंगलाचारहोनाएकअपना प्याराहैउसीमेंचित्तबहुतरहताहैराजद्वा रकी चिंता अबछायादानऔरचनेकी दालपेलावस्त्र हल्दीस्वर्ण दानकराओ ईश्वर चाहेतो मनकीकामनापूर्णहोगी उच्चपदवीमिलेगी जीवकी प्राप्तिलाभ बढे भूमिसेलाभ पीडा नष्ट होगीऔर राजद्वार सेभी काम में फतह होगा

६७.हेप्रच्छक प्रश्न मध्यम है अभी तुम्हारीमर्जीमाफिककामहोनेमें देरहै कष्टरूपीरंजक्लेशचिंताबहुत रही काम होताहोतारुकजावेहैयेमध्यम दशाका फलहैकहींगवनहोतोभी ताज्जुब नहीं एकमित्रसेप्रीतबहुतहै एकशत्रुगुप्त है अबउसकामिलनाकठिनहैमंगलाचारमें देरहैएकजीवकीभीअबलाषाहैअबतुम नवगृहका पूजनदान करोदशा न्यून बदलेगीश्रेष्ठआवेगीसो सब कामउत्तम होंगेजीवकीलाभगईहुईचीजफिरआवे गीकष्टबाधानष्टहोगीउच्यपदवीमिलेगी राजद्वारसेकामसिद्धहोगागुप्तचिंतामिटे गीचित्तमेंअनेकप्रकारकीवार्ताचित्तवन करतेहोचित्तकीवार्ताचित्तमेंसमाजाती है अबखुशीकी वार्ता सुननेमेंआवेंगी

६८. हे प्रच्छक जब दशा जीव पै ना किस आती है और ग्रह चौथे आठवें बारहवें होजाते हैं तब ऐसे काम होने हैं खर्च विशेष लाभ कम और एक जीव का बहुत ध्यान रहता है सो आराम मिलेगा और हाथ से निकला धन देर से प्राप्त होगा जिस काम को करना विचारा हो समझ के करना अभी भाग्य उदय होने में किंचित विलम्ब है एक मित्र में बहुत मन रहता है सो उससे प्रीत बढ़ेगी और मिलेगा नया लाभ होगा दो तीन ग्रह तुम्हारे नाम की रास पै कैड़े हैं उनका पत्रा देखकर यत्न कराओ नहीं तो विशेष क्लेश होगा दुख हो ग्रहों का यत्न होते ही आराम होगा उच्च पदवी होगी काम में फायदा हो एक जगह से विशेष माल मिलेगा विलंभ से खातर जमा रक्खो ईश्वर का भजन करा करो भूलो मत

६९.हेप्रच्छकतुह्मारीबुद्धिभ्रमैंगारहती हुईश्वरकोसत्यनहींमानतेजिसनेइतना बड़ाकियाहै और बराबर रक्षा करी है सोवहकहींचलानहींगयाहै बराबररक्षा करेगा उस का भजन करो अन्त में आसा पूरणहोगी और गईसोगई अब राखरही औरवो मिलेगा मौजूदहैचिंता मतकरो आरामकी सूरतहोरहीहै एक काममेंविशेषलाभहोगा परंतुअबमंगल केवर्त और पक्षियोंको बाजरा भोजन डाल दिया करो वड़ा पुन्यका कामहै क्रूरग्रहोकाजपदान करातेरहाकरो मन वांछितफलमिलेगा कार्जसिद्धहोंगे जो बडेखर्चकेकाम समझरक्खेहैं कांटासा आनन्दमें निकल जायगा कामदेवकी उनमत्त्ता में बुद्धि न्यून होजाती है

७०. हे प्रच्छक इस समय के प्रश्न का यह फल है कि तुमनेजो प्रश्न विचारा है सो काम सिद्ध होगा और लाभ की सूरत और आराम की सूरत नजरआतीहैपिछलेसाल महीनेमध्यम रहे खर्च विशेष आमदनी न्यून अब भाग्यउदयहोगा और कामफतह होगा थोडा बिलंब है लाभकी सूरत होकर हटजातीहै ईश्वरका स्मण चित्त लगा करकरो और घृत सांभर दानकरो अब नये सिरेसे आनन्द का प्रबन्ध होगा एक काम तुम से न्यून बनगया सो ईश्वर भी जाने है अब भजन विशेष करने से कार्य की सिद्धि होगी और बहुतसी प्राप्तिहोगी नवीननवीन वार्ता की समुद्रकी तरंगसीचित्तमें उठतीहै

७१.हेप्रच्छककाम तुम्हारेमें विलंबहै कामअभी ठीकनहोगा दशा नाकिमहै कःग्रह नाकिमहैं पंचांगखोलकर देखो सोचोहोकुछहोहैकुछकईबातकीचिंता हैजीवकीधनकीमगलाचारकीकष्टरूपी क्लेशकीपरंतुतुम सतवादीहोसत्यवोलने कोपमंदकरतेहोझूंटसेकोधितहोतेहोपरा येकाममेंमनसेप्रीतलगाकेकरतेहोकिसी कावुरानहीचाहतेतुम्हेविद्याकमहैपरंतु बुद्धिअकलबडोविद्वानोमेंविशेषहैहरएक कीवातकीझूटसत्यकी परिक्षा समझते होएककामन्यूनवनगयाथासोईश्वरकी भक्तिविशेषकराश्रीगंगाजीके५ब्राह्मण खीरखंडकेजिमाओमनवांछितफलमि लेगालाभहोगासिरपेवडाजोफिक्रसमझ रक्खाहै सबकामआनंदमें होजायगा.

७२ हेप्रच्छक तुम्हारा प्रश्न शगुण इसवक्त बहुतश्रेष्टहै तुम्हे बिना कार्ण चिंता फिक्र भयसा उत्पन्न होजाताहै बुद्धिभ्रमणहोजातीहै गयासोगयाफिर आवेगा मिलेगा क्या मिलेगा आराम मिलेगा धनामिलेगा मंगलाचार होगा पीडाकानाशहोगा जीवकोखुशीहोगी अकस्मात खुशखबरीहोगी अपने इष्ट देव पित्रदेवताके निमित्त वस्त्र मिष्टान्न कच्चादूध मावश्याको पिलातेरहाकरो रोजगार बढेगा उच्च पदवी पाओगे एकजीवकाध्यान मित्रकेध्यानमेंचित्त बहुतरहताहै तुम्हे विद्यामध्यमहै परंतु अकलबुद्धितेजहै किसीकाबुरा नहीचा हतेसत्यवार्ताको पसन्दकरतेहो खर्चहै अंजाम कुशलहै राजद्वारसेअन्तफतेहै

७३हेप्रच्छक येजोतुमने प्रश्नकियाहै जोहोगयासोहोगया अबखुशीकीवार्ता होनेवालीहैखोटेदिनगये श्रेष्टआनेवाले हैंआरामहोगाकारजफतै होगाजिसकी चाहनाहैमिलेगाऔरयेजोचित्तमेंकाम बिचाराहैदेरसे होगा दिनतुमकोबहुत दिनोंसे मध्यमहैं मर्जिकेमाफिकलाभ नहींहैनष्टदशामेंरजक्लेशपीड़ागुप्तचिंता शत्रुताहोतीहैसोअपनीरासपै जोग्रह न ग्रहनाकिसहैंदानमंत्र जपाकरो तबघर में आनन्द मंगलाचार जीवकी प्राप्ति यात्रासे लाभ काम फतैहोंगे गतप्राप्ति होगी तुम्हारेशरीर पै व्रणायानी फोड़े फुंसी का निशान हैं आलस्य रहताहै नई नई बात का चितवन करते हो

७४ हे प्रच्छक तुम को पिछले दिन बहुत नाकिसाफिक्रसे गुजरे और खर्च विशेषलाभ मध्यम सोअबप्राप्तिहोगी जीवकालाभहोगा व्याधा रंजनष्टहोंगे घरमें खुशीहोगी।चित्तकीचिंताचित्तमें समाजातीहै समुद्रकी तरंगसीनईनई उठतीहैंसोव्रथाजातीहैं एकजीवमें।चित्त बहुतरहताहै अबईश्वर चाहेतो कहींमे खुशीकी बातसुनोगे।उच्चपदवी प्राप्तहो गी। नाकिसग्रहोंकादान औरसबेरधाम शिवजीका भजनकरेकरो और ये जो प्रश्नकिया है वो काम भी फतैहोगा मिलेगा फिक्र गया यात्रा से लाभ होगा गई सो गई अब राख रही को काम काबू से बाहर है सिद्ध होगा ईश्वरका भरोसाकरो काम फतै होगा

७५ हेप्रच्छकतुम्हारा कार्यसिद्ध होगा
प्रथम दशा न्यून थी अब दशा श्रेष्ट
आनेवालीहै जीवकी चिंता औरलाभ
का उद्योग विशेष परन्तुलाभ अधूरा
होताहै ओर येजो अबफिक्रहैखर्चसो
दूरहोयगाआरामगुप्त वोभीमिलेगाफतै
होगा कष्टनष्ट होगा कईग्रह नामकी
रासपरनाकिसहैंसोउन ग्रहोंका उपाय
बि धिपूर्वकपंडितसेकराओ बिनादानके
करायेकार्यसिद्धदेरसेहोगाइसकारणचा
वलमिष्टान्नस्वेतवस्त्ररजनित अर्थात् श्र
द्धाप्रमाणचांदीदानकाकरना बहुतश्रेष्ट
हैमनकीकामनापूर्णहोगी अच्चानकला
भकीसूरतहोगीचित्तस्थिरकरके किसी
कालईश्वरकाभजनकराकरो प्रश्नश्रेष्ट
है अंजाम कुशलहै तीर्थयात्रा श्रेष्टहै

७६ हे प्रच्छक इस समय के प्रश्न का यें फल है कार्य आधीन से बाहर अर्थात् काम काज से बाहर चिंता कष्ट कई जीव शत्रुता गुप्त करैं हैं परंतु उन से कुछ हो नहीं सक्ता १ जीव में चित्त बहुत रहता है दशा मध्यम के कारण अनेक प्रकार की हानि वार्ता लाप सो चोहो समुद्र की लहर सी उठती है नई नई बात का चितवन होकर निर्फल होता है कई फिक्र भारी लगे हुवे जीव की प्रसिद्ध ती फतै और चंगा होगा और ये जो अब चिंता है सब दूर होपी तदान करो चने की दान हलदी पेला वस्त्र पेले पुष्प सुवर्ण श्रद्धा प्रमाण गुप्त चिंता दूर होगी कार्य फते होगा मनवांछित फल प्राप्त होगा दशा न्यून के कारण फिक्र चिंता गृह में क्लेश होता है अब दशा श्रेष्ट आने वाली है ये कार्य होकर नवीन कृत्य करोगे ॥

७७हे प्रच्छक तुम्हारा प्रश्न चिंता रूपी कष्ट का है खर्च विशेष जीव की लालसा जीव चिंता तरह २ उद्वेग चित्त स्थिर नहीं काम काबू से बाहर है दूसरे आदमियों को भी बहुत फिक्र है जब दशा मध्यम होती है अपने भी पराये हो जाते हैं परंतु अभी कार्य में विलम्ब है कामना पूर्ण तो होगा परंतु पाप ग्रहों का पूजन विधिपूर्वक बटक भैरव का मंत्र भी जपाओ [मंत्र] ॐ ऐं ह्रीं क्लीं श्रीं बटुकभवाय आपदुद्धारणाय सर्वविघ्ननिवार्णायमम रक्षा कुरु कुरु स्वाहा। इस मंत्र के जाप से मनोकामना पूर्ण होगी और ये जो चित्त को दीर्घ चिंता है सो काम हो और मिलेगा खर्च विशेष है एक जीव में चित्त भी बहुत रहता है लाभ अधूर होते हैं नई २ वार्ता का चितवन रहता है परन्तु अन्त में कुशलता है

७८हेप्रच्छक कामना पूर्णहोगी खुशी
कीवार्ताहोनेवालीहै मिलेगामार्जीकेगा
फिक्र कामहो चित्त उसबिनाव्याकुल
सारहताहै दशान्यूनकेकारण ऐसेकाम
हुए धन का खर्च जीवकादुख काम
दूसरेके काबूमें होना औरदोतीन ग्रह
तुम्हारीरासपैकैड़हैं मध्यमहैंपंचांग में
देखोउनमध्यमेंगृहोंका पूजनदानमंत्र
स्थिरचित्त करकेकराओकार्यशीघ्र सि
द्ध होगा और येजो फिक्रहै सोदूरहोगा
औरकई फिक्र खर्चकेआवैंहै सो काम
सिद्धहोंगे धन मिलेगा जीवकी प्राप्ति
होगी परन्तु बिलम्बहैपूजनदानसेकार्य
सिद्धहोगागुप्त लाभहोगाअब अंजाम
अच्छा दीखहै कार्यमें भी लाभ होगा
शिव जी का पूजन नित्य किया करो

७९ इससमयकेप्रश्नका फलयेहैकिका
मठीकबैठगायान बैठगाइज्जनका भय
होजाताहै ऐसीदशामेंगवनभीहोता है
गुप्तचिंतारहेहैं कभीचित्तमेंकुछआताहै
कभीकुछआताहैऐसीदशामें खर्चविशे
षहोताहै एकगुप्तमनोर्थहैसोकबतकआ
रामहोगासो अबन्यूनदशाबीचनेवाली
हैऔरश्रेष्टआनेबालीहै परन्तुकाममेंदेर
हैइष्टदेवकापूजन करनाचाहिये पित्रोंके
निमितमिष्टान्नबस्त्रकच्चा दूध पीपलको
जलदेना श्रेष्टहै कईमहिनेसेभ गयकाही
नतायानीमध्यमहैपूजनकरनेसेधनकी
प्राप्तीजीवका मिलना कष्टरूपीरजका
दूरहोना येजोअब बहुतचिंताहै काम
जरादेरसे मर्जीकेमाफिक होगा काम
काबूसे बाहर होगया दशा मध्यमहै।

८०हे प्रच्छक तुम्हारी रासपै आजकल कई ग्रह नाकिस हैं पंचांग खोलकर देखो जब ऐसे ग्रह रासपै आते है लाभ कम होती है शत्रु उत्पन होते मित्र व प्यारों से जुदाई होती है कष्ट रंज होते हैं आमदनी होती २ रुक जाती है जहां पूर्ण लाभ समझो अधूरा होता है एक जी वलाल्सा आस लगी रहे है व्यै दीर्घ लाभ मध्यम हो कामहोने को हो फिर तार भंग होजाता है सो अब मध्यम ग्रहों के दान जाप कराओ आपभी ये मंत्र जपो ओं ऐं ह्रीं क्लीं श्री वासुदेवाय नमः वबटुक भैर वाय आपदुद्धारणाय मम रक्षा कुरु कुरु स्वाहा दान मंत्र जाप करने में ये जो तुम्हारे मनकी कामना है पूर्ण होगी प्राप्त होगी कष्ट दूर हो पुत्रों का लाभ राजसे फतै मित्र से प्रीत विशेष इतने उपाय न बने गा दशा मध्यम रहेगी

८१.हमच्छकय जोतुमने प्रश्नकिया है सोहोगयासोहोगया अबखुशीकीबार्ता होनेवालीहैखोटेदिनगये श्रेष्ठआनेवाले हैंआरामहोकारजफतेहोगाया जिसकी चाहनाहैमिलेगाऔरयेजोचित्तमेंकाम विचाराहै देरसेहोगा दिन तुमको बहुत दिनोंसे मध्यमहैं मर्जीकेमाफिक लाभ नहींहैनष्टदशामेंरजक्लेशपीड़ागुप्तचिंता शत्रुताहोतीहैसोअपनीरासपैजोहोतीन ग्रहनाकिसहैं दानमंत्र जापकरो तबघर में आनन्द मंगलाचार जीव कीप्राप्ति य त्रासे लाभ काम फतेहोंगे गुप्तप्राप्ति होगी तुम्हारे शरीर पैं व्रणयानी फोड़े फुंसी का निशान है आलस्य रहताहै नई नई बात का चिंतवन करते हो

८२. हे प्रच्छक तुम को पिछले दिन बहुत नाकिस फिक्र से गुजरे और खर्च विशेष लाभमध्यम सो अब प्राप्तिहोगी जीवका लाभहोगा व्याधा रंजनष्टहोंगे घरमें खुशीहोगी चित्तकीचिंताचित्तमें समाजातीहै समुद्रकी तरंगसी नई नई उठतीहैंसोवृथाजातीहैं एकजीवमेंचित्त बहुतरहताहै अब ईश्वर चाहेतो कहींसे खुशीकी बातसुनोगेउच्चपदवी प्राप्तहोगी नाकिस ग्रहोंकादानऔरसुबेश्याम शिवजीका भजनकराकरो और येजो प्रश्न किया है वो कामभी फतेहोगा मिलेगा फिक्र गया यात्रा से लाभ होगा गई सो गई अब राख रही को काम काबू से बाहर है सिद्ध होगा ईश्वरका भरोसाकरो काम फतै होगा

८३.हेप्रच्छक तुम्हाराकार्य सिद्ध होगा प्रथम दशा न्यून थी अब दशा श्रेष्ट आनेवाली है जीवकी चिंता और लाभ का उद्योग विशेष परन्तु लाभ अधूरा होताहै और ये जो अब फिक्रहै खर्चसो दूर होगाआरामगुप्तवोभी मिलेगा फतै होगा कष्ठ नष्ट होगा कई ग्रह नाम की रासपरनाकिसहैं सोउन ग्रहोंका उपाय बिधिपूर्वकपंडितसेकराओ बिनादानके करायेकार्यसिद्धदेरसेहोगाइसकारणचा वलमिष्टान्नस्वेतबस्त्र रजानित अर्थात् श्र द्धाप्रमाणचांदीदानका करनाबहुतश्रेष्ट हैमनकीकामनापूर्णहोगी अचानकला भकीसूरतहोगी चित्त स्थिरकरकेकिसी कालईश्वरका भजन कराकरोप्रश्नश्रेष्ट है अंजाम कुशल है तीर्थयात्रा श्रेष्टहै

८४,हेप्रच्छकइससमयकेप्रश्नका येफल
हैकार्यआधीनसेबाहरअर्थातकामकाबू
सेबाहरचिंताकष्टकईजीवशत्रुतागुप्तकरे
हैपरंतुउनसे कुछहोनहीं सक्ता१जीवमें
चित्तबहुतरहताहैदशामध्यमकेकारण
अनेकप्रकारकीहानवार्तालाप सोचोहो
समुद्रकीलहरसीउठती हैनईनईबातका
चितवनहोकरनिर्फल होताहै कईफिक्र
भारीलगेहुवेजीवकीप्राप्तिहोगीफतेऔर
चंगाहोगाऔरयेजो अबचिंताहैसब दूर
होपीतदानकरोचनेकीदालहलदी पेला
वस्त्रपेलेपुष्पसुवर्णश्रद्धाप्रमाणगुप्त। चिंता
दूरहोगी कार्यफतेहोगा मनवांछितफल
प्राप्तहोगादशान्यूनकेकारणफिक्रचिंता
गृहमेंक्लेशहोताहै अबदशाश्रेष्ट आने वा
लीहैयेकार्यहोकरनवीन कृत्यकरोगे ॥

८५. हे प्रच्छक तुम्हारा प्रश्न चिंता रूपी कष्ट का है खर्च विशेष जीव की लालसा जीव चिंता तरह २ उद्वेग चित्त स्थिर नहीं काम काबू से बाहर है दूसरे आदमियों को भी बहुत फिक्र है जब दशा मध्य में होती है अपने भी पराये हो जाते हैं परंतु अभी कार्य में विलम्ब है कामना पूर्ण तो होगी परंतु पापग्रहों का पूजन विधिपूर्वक बटुकभैरव का मंत्र भी जपवाओ (मंत्र) ॐ ऐं ह्रीं क्लीं श्री वटुकभैरवाय आपदुद्धारणाय सर्वविघ्ननिवारणाय मम रक्षां कुरु कुरु स्वाहा । इस मंत्र के जाप से मनोकामना पूर्ण होगी और ये जो चित्त को दीर्घ चिंता है सो काम हो और मिलेगा खर्च विशेष है एक जीव में चित्त भी बहुत रहता है लाभ अधूरे होते हैं नई २ बातों का चितवन रहता है परन्तु अन्त में कुशलता है

८६. इसच्छक कामना पूर्णहोगी खुशी कीबातहोनेवालीहै मिलेगा मर्जीकेमा फिक कामहो चित्त उस विना व्याकुल साग्हताहैदशा न्यूनकेकारण ऐसेकाम हुए धन का खर्च जीवकादुख काम दूसरेके काबूमें होना और दो तीन गृह तुम्हारीरासपैकैडेहैं मध्यमहैं पंचागमें दखो उनमध्यमग्रहोंका पूजनदानमंत्र स्थिरचितकरके कराओकार्य शीघ्र सिद्ध होगा और येजो फिक्रहै सोदूरहोगा और कई फिक्र खर्चके आवेंहैं सो काम सिद्धहोंगे धन मिलेगा जीवकी प्राप्ति होगी परंतु विलम्बहै पूजनदानसेकार्य सिद्धहोगा गुप्त लाभहोगा अब अंजाम अच्छा दीखेहै कार्यमें भी लाभ होगा शिवजी का पूजन नित्य किया करो

८७, इससमयके प्रश्नका फलयेहैकिका
मठाकबैठेगा या न बैठेगा इज्जतका भय
होजाता है ऐसीदशा में गवनर्माहोता है
गुप्तचिंतारहैहै कभी चित्तमें कुछआता है
कभी कुछआता है ऐसीदशा में खर्चाविशे
षहोता है एकगुप्तमनोर्थहैसो कबतकआ
रामहोगासो अव न्यूनदशाथी चैनेंवाली
हैओर श्रेष्ठ आनेवाली है परन्तकाम में देर
है इष्टदेवकापूजनकरना चाहिये पित्रों के
निमित्त मिष्टान्नवस्त्रकच्चा दूध पीपलको
जलदेना श्रेष्ठहै कई महीने में भाग्यकी ही
नतायानीमध्यमहै पूजनकरनेसे धनकी
प्राप्ति जीवका मिलना कष्टरूपी रंजका
दूरहोना ये जो अब बहुत चिंता है काम
जरादेरसे मर्जीकेमाफिक होगा काम
कबू से बाहर होगया दशा मध्यम है

८८. हे प्रच्छक तुम्हारी रास पै आजकल कई ग्रह नाकिस हैं पंचांग खोलकर देखो जब ऐसे ग्रह रास पै आते हैं लाभ कम होती है शत्रु उत्पन्न होते मित्र व प्यारों से जुदाई होती है कष्ट रंज होते हैं आमदनी होती २ रुक जाती है जहां पूर्ण लाभ समझो अधूरा होता है एक जीव लालसा आस लगी रहे है क्यै दीर्घ लाभ मध्यम हो काम होने को हो फिर तार भंग हो जाता है सो अब मध्यम ग्रहों के दान जाप कराओ आप भी ये मंत्र जपो ऊँ ऐं ह्रीं क्लीं श्रीं वासुदेवाय नमः वटुक भैरवाय आपदुद्धारणाय मम रक्षां कुरु कुरु स्वाहा दान मंत्र जाप करने से ये जो तुम्हारे मन की कामना है पूर्ण होगी प्राप्त होगी कष्ट दूर हों पुत्रों की लाभ राज से फते मित्र से प्रीत विशेष इतने उपाय से बनेगा दशा मध्यम रहेगी

८९. हे पृच्छक ये जो तुमने प्रश्न किया है अब दशा श्रेष्ट आनेवाली है कामना पूर्ण होगी जो काम चित्त में धारण करा है सो मिलेगा चिंता दूर होगी काम फतै होंगे मित्रों से प्रीत और कष्ट पीड़ा नष्ट होगी जो विचारा है काम ठीक बैठेंगे दशा बहुत दिनों से मध्यम थी व्यै विशेष हुवा जीव की प्राप्ति होगी रिण की न्यूनता होय प्रश्न श्रेष्ट है उद्योग व उपाय पहले तुमने बहुतेरे करे परा निर्फल गये काम काबू में बाहर रहे पर अब ईश्वर आनन्द खुश खबरी की वार्ता करेंगे गुप्त लाभ होय जो प्रश्न विचारा है इसके वास्ते श्री देवी दुर्गा लक्ष्मी का पूजन कराओ चावल चांदी स्वेत वस्त्र धेनफूल का दान कराओ कई ग्रह मध्यम है सो उपाय करने से शीघ्र मन की कामना पूर्ण होगी एक जीव का ध्यान रहता है

९०हेप्रच्छककामकाबूमें बाहरहै और धनकोव्यैविशेषहैअकस्मातयेमामलाहै सोजीवकीचिन्ताहैऔरआदमीको भी चिंताबहुतहैइज्जतका ख्यालहैबडेरखर्च दीखेहैंऔरतुमपरउपकारीसत्यवार्ताको पसंदकरोहो छलछिद्रके कामकोपसंद नहींकरतेतुम्हाराप्रश्नजावऔर धन का हैऔरइज्जतकाभयहोताहैअनेकप्रकार कीवातांसोचोहो निर्फलजाती है पता नहींलगताजतनभीकरेअबनवग्रहों का दानमंत्रजापकराओयेकामईश्वरचाहे तोठीकहोनेवालाहैऔरआदमीभीसहा यताकरेंगेकईशत्रुहैंग्रहइष्टदेवकापूजन कराने से काम मनइच्छा पूर्ण होगा और मिलेगा वंश की वृद्धि होगीजी- व लक्ष्मी प्राप्त होगा आराम होगा

९१. हे प्रच्छक इस समय के प्रश्न करने का
ये मामला है स्वर दुस्वभाव है घर में चमत्का
री हो क्लेश मिटे व्या घाटले जिसका प्रश्न है
वो शै मिलेगी या न मिलेगी मंगलाचार कद
तक होगा लाभ खुशी कबतक होगी ऐसी
दशा कबतक रहेगी जीवकी चिंता है वंश
की वृद्धि हो आजकल तुम सोचो हो कुछ
होय है कुछ दोतीन ग्रहरा सपैना किस आ
रहे हैं सो उनका उपाय दान पुन्य जाप करा
ने से चित्त का मनोर्थ सिद्ध होगा खुशी हो
काम पराये आधीन है अब तुम चींटीनाल
जिमाओ तो श्रेष्ट है भूखों को भोजन दो का
र्य सिद्ध होगा दशा उतरने वाली है मनोर्थ
पूर्ण होंगे अनेक प्रकार की लाभ की सूरत हो
और ये जो ऊपर से फीक्र दीखे हैं सो सब
कांटा सा निकल जायगा दशा मध्यम है

९२. इससमयजो आपनेप्रश्नकियाहै
ऐसेस्वरमेंयेवार्ताहै किगुप्तचिंता१जीव
कीलालसाबनीरहतीधनसेहीसारेकार्य
सिद्धहोंहैं रोजगार मेंमध्यमलाभहैसो
प्राप्तहोगीयानहींमंगलाचारकीसूरतक
बतकहो जिससे घरमेंचांदनाहोआराम
होकबतकादिनके डेंढ़गुप्तलाभभी होगी
येझगडाकबतकामिटेगा दिनराताचित्तमें
चिंताक्लेशरहेहैंकबतकदिनअच्छेआवेंगे
येप्रश्नब्राह्मणकोदही लड्डूमिष्टानभोज
नदेनेसेकामहो अपनेइष्टदेव कापूजन
घरमें पित्रपीड़ाका उपायकरोउपायके
करानेसेअबकेकामसिद्धहोइज्जतबढेगी
सबसेजीतोगेशत्रुरूपीग्रह हानकरगेहैं
दिनरातनईनईवार्तासोचोहोसबनिर्फल
जातीहै परन्तु अंजाम कुशलता है ॥

९३ इससमयके प्रश्नकायेफलहैजीव
चिंताभविष्यति धनन्यूनंदिनेदिनेमंग
लाचारविलम्बस्यपराधीनकृत्ययोराज
द्वारकन्यार्थंरिथरोकार्यद्रष्टव्यःग्रहपीडा
चप्राप्नोतिभृगुणापरिभाषितःमध्यमद
शामेंमध्यमकार्यहोजातेहैंमनकीवार्ता
कबतकपूर्णहोगी मिलेगीयानहीं राज
गारकीहानीहै कबतकवृद्धिहोगीआज
कलादिननाकिसहैं घरमें चांदना कब
तकहोयेकामअबकेभीफलहहोगाजिस
सेवंशकीवृद्धि हो तुम्हारीरासपेकईग्रह
मध्यमहैपत्रादेखोनाकिसग्रहोकादान
मंत्रजापछायादानकरानेसे अबयेमनो
र्थसिद्धहोगाकामकावूसेवाहरहैमामला
ईश्वरकेआधीनहै परन्तुजोबातचित्तमें
औरहैयेगृहकाप्रभावहै अंन्तअच्छाहै

९६ दे प्रच्छयगुप्तचिंताशरीरेनधनहानी
चदृश्यते गृहपीडाभविष्यति दृश्यते
भाग्यमंदताजीवचिंताचप्राप्तोतिमंगला
चारहर्षकंधननष्टनसंदेहोजीवप्रश्नेचप्र
श्नयेइससमयदुभावस्वरहैइसमेंभाग्य
कीवृद्धिवंशकीवृद्धिमंगलाचारराजद्वार
मेंन्यायकिसीप्यारेकीचिंताविद्याकाला
भरोजगारकत्यपीडाकायत्नदुस्वभाव
स्वरमेंइसप्रकारप्रश्नहोतेहैंसोतीन ग्रह
तुम्हारीरासपैआजकलनाकिसहैंपत्रमें
देखोनाकिसहैंयानहींजरूरहैंइननाकि
सग्रहोंकादानमंत्रजापकराओ जिससे
भाग्यकीवृद्धिकानालाखुलेऔरउच्चपद
वीमिलेऔरयेजीवकीप्राप्तीकेमंगलाचा
रकेकामहोंऔरगतगईहुईचीजप्राप्तहो
अंजामकुशलहैजिसे चाहोसो मिलेगा

९७. हेप्रच्छकतुम्हाराप्रश्न जीवरूप लक्ष्मीकाहै चिंतादीर्घहैऔर स्वरदुस्व भावहैप्रश्नदोतरहकेसेहैंएकशेका अल गहोजाना रोजगारमध्यमहोना चित्त कीचिंताचित्तमेंही समाजाती है घरमें अंधेरासाहै जीवकीलालसहैजतनभी करपरन्तुब्रथागएगुप्तचिंता इज्जतका ख्यालहै औरयेख्यालहैअबकेभीकाम होगाराजद्वारकाउच्चपदवीकी अशा हैअबचिंताइसप्रश्नकीहैसोकाम ईश्वर आधीनहैदिनबहुतसमयसे मध्यम है भाग्यउदयहोनेकोहोताहैफिररुकजाता हैअबपूजनश्री दुर्गादेवीकाकरानाचाहि येकईग्रहरासपेकेंद्रहैं उनकाउपायकरा नाचाहियेकामफतहहोकष्टसाधनछूटहो लाभकीसूरतअच्छीबनेगी वो मिलेगी

९८.हेप्रच्छकदीर्घ।चिंताचप्राप्नोतिजीव
प्राप्तिनदृश्यंतभयभीतहृदादृश्यपराधी
नोपिकृत्ययाराजद्वार कंकार्यंधनव्यय
भविष्यतिअंतकार्यंमहासिद्धिभृगुणाप-
रिभाषतःतुमपैबहुतदशान्यूनथीअनेक
प्रकारकेफिक्र जीवाचिंताधनका जाना
गुप्तक्लेशरहा तुम्हाराचित्तएकजीवमेंत
त्परहैनईनईबातालाभसोचाहोसोब्रथा
जातीहैअबरोजगारकीभीसूरतहोगीये
जोजीबकीलालसाहैपूर्णहै परंतुविलंबहै
देरसेफनहहोगाकाममेंलाभहे ग छाया
दानगुड़गेंहूंलालवस्त्रसुवर्णदानमे शीघ्र
मनकीकामनापूर्णहोगीऔरदूसरालाभ
काकार्यभीसिद्धिहोगा कामदेवकीउन
मत्तामेंनीचबुद्धिहोजातीहैसोग्रहकाप्र
भावहैअंजामकुशलभूमि लाभ होगा

९९.हेप्रच्छक तुम्हारा काम काबू से वाहरहै दिनरातविचित्रतरहरकीवार्ता लाभसोचोहोवनकरकामकीआनन्दकी सूरत मध्यमसीहोगई ऐसीदशामेंगुप्त चिंताशत्रुकाचित्तमें भयसाधनकाचला जानामित्रकाख्यालरहताहैरोजगारका मध्यमहोनाकष्टव्याधाहोखोटीदशामें बहुतबातोंकाख्यालहोताहै तुमपक्षियों कोअन्नबाजराभोजनदोश्री बटुकभैरव कापूजनकराओयेमंत्रजपोॐऐंह्रींक्लींश्रीं श्रीविष्णुभगवानममअपराधक्षमायकुरु कुरुसर्वविघ्नविनाशायममकामनापूर्ण कुरुकुरुस्वाहामंत्रकेकरानेसेवंशकीवृद्धि होतीहैरोजगारश्रेष्टहोताहैजीवकीप्राप्ती होतीहैराजद्वारसेफतेहोतीहैगईहुईलक्ष्मी फिर आतीहै सर्वकामना सिद्धहोतीहै

१००. हे प्रच्छक तुम्हारा काम फते होगा
एक रद्दो हनो चलता है इस समय के प्रश्न
का ये इफ कहै चिंता फिक्र मिटेगा गई गो
गई अब राखरही जिसने उत्पन्न किया है
देगा वही जीव की प्राप्ति होगी राज द्वारसे
लाभ होगा खुशी होगी मंगलाचार होगा
एक मित्र में विशेष मन रहै है आधीन रहेगा
भूमि लाभ होगा दशा बहुत दिन से मध्यम
थी अब दशा बदलने वाली है कामदेव की
प्रबलता में न्यून बुद्धि होजाती है जब जो
तुम्हारी रासपै ग्रह मध्यम हैं उनका दान
निश्चै करके कराओ काम होता होता रुक
जाता है शत्रु हानि करातेहैं काम औरके
आधीन है कई आदमियों से मिल कै
काम होगा अब दशा अच्छी आनेवाली
है ये जो और काम है सो वह भी होगा

१०१. हे प्रच्छक प्रश्न जरा मध्यम मालूम होता है पुत्र की लाभ सगाई रोजगार मध्यम दशा में मुशकिल से होते हैं अर्थ तू होता रलाभ रुक जाता है धन का नुकसान धन दूर नहीं होता है राजद्वार से फतै होना मुशकल हो जाता है उच्चपदवी नहीं मिलती जीवकी प्यारे की चिंता हो जाती है जो काम सोचो तार भंग हो जाती है गुप्त शत्रु भांजी मार देते हैं एक मनोर्थ बहुत दिन से सोच रक्खा है ईश्वर चाहे तब हो अब तुम इष्टदेव और घर के पित्रों निमित्त कुछ जप दान कराओ जिस से मनोर्थ सिद्ध हो जिसकी चाहना है वो मिले जीव की प्राप्ति हो रोजगार भारी हो राजद्वार से फतै हो गई चीज मिले मंगलाचार हो इतने पूजन न बनेगा कोई कार्य दुरुस्त न होगा काम मध्यम रहेगा अन्त में कुशल है

१०२. हे प्रच्छक अब तुम्हारा मनोर्थ सिद्ध होगा श्रेष्ट दशा आने वाली है उत्तम दशा गई चीज का मिलना रोजगार में लाभ अन्न में लाभ जीव की प्राप्ति राजद्वार में फतै घर में मंगला कष्ट व्याधान ष्टयात्रा में लाभ और मन का मनोर्थ भी सिद्ध होगा अब तुम्हारी रास पर दो ग्रह नाकिस और बाकी हैं पत्रा देखो उनका जरा उपाय और श्रद्धा से करादो और श्याम को चींटी नाल जब तक बने तब तक दो दशा उत्तम आने वाली है पिछले दिन बहुत फिक्र से बीचे सो अब ईश्वर चाहे काम पूर्ण होंगे आस पूरी होगी मिल के लाभ एक जीव में चित्त विशेष कर रहता है सो आनन्द में बीतेगी काम देव की उन मत्तता में बुद्धि न्यून भी होजाती है

१०३. हे पृच्छक अब कर्ता फिक्र करो हा तुम्हें खुशखबरी होनेवाली है गई सो गई अब रा खरही अब बहुत देगा वही मनोर्थ पूर्ण होंगे परन्तु एक फिक्र भारी रखे है ऊपर से खर्च आवै है पास धर्न रोग पन हीं दीखता परंतु चिंता मत करना काम बडा इज्जत के साथ बनेगा और कई जगह से लाभ होगा करनेवाला और है वही फिक्र कर रहा है अब विशेष लाभ की सूरत होगी मित्र में चित्त बहुत रहना है बेभो चित्त से प्यार करो है अब तुम शीघ्र इस काम को सिद्ध चाहो तो श्री गंगाजी के ५ ब्राह्मण खीर खांड के जिमाओ और सफेद चावल दही दान करो काम शीघ्र फते होगा और गुप्त लाभ होगा घर में चांद ना होगा एक काम गुप्त से गुप्त न किस बनाथा सो ईश्वर का ध्यान रक्खे करो।

१०४.हेप्रच्छकतुमपर बहुतदिनोंसेदशा नाकिसथीनहींतो निहालहोजातेलाभ कामरतमेंहानपैदा होगईगुप्तशत्रुबुराई करेहैअबएकऔरखुशीकीबाततुम्हेंहोने कोहोरहीहैदशानाकिसमें धनमालका निकलजानापीडाका घरमें बासहोना इज्जतकाभयहोना रोजगारमेंहानहो नाहुवाहुवाया मंगलाचारका हटजाना राजद्वारकीचिंताहोनी येसबबातनाकि सदशामेंहोतीहैंअबतुमशामकोघृतका दीपकशिवजीके मद्रमें प्रज्वलितकरो औरजलकालोटाभरकेशिवजीकोऔर पीपलकोदो औरइतवारको ब्राह्मणाजि माओकईग्रहतुम्हारीरासपरनाकिस हैं पत्रेमेंदेखोसोनाकिसदशाका फलन्यून होजायगाजोमनोकामनाहै पूर्णहोगी

१०५. हेप्रच्छक अब तुम्हारे खोटे दिन गये अच्छे आने वाले हैं अब तक तुमने बहुत नाकिसदशा झेली नाकिसदशा में ही ऐसे काम होते हैं जो फिक्र तुम पर हैं बहुत नुक्सान उठाया लाभ कम रहा पीड़ा रूपी क्लेश में धन खर्च और चीज निकल गई इज्जत का भय हुवा परन्तु अब अपने इष्ट देव का पूजन पितृपीडा का जतन और क्रूर ग्रह का दान निश्चै करके कराओ फिर शीघ्र और नये लाभ होंगे जीव की प्राप्ति मित्र से मुलाकात जो है विशेष होगी घर में मंगलाचार उच्चपदवी प्राप्त होगी ग्रह की पीड़ा नष्ट होगी शत्रु का नाश और ये जो मन की कामना है सो पूर्ण होगी और बड़े रफिक्र जो ऊपर लेखर्च के दाखे हैं सो सब आनंद में कांटा सा निकल जायगा काम सिद्ध होगा

१०६. हेप्रच्छक प्रश्न इससमयकाबहुत श्रेष्ठतुम्हारादीखताहै बुरेदिनगयेअच्छे आनेवालेथे सोतुम्हारीरासपैदोतीनग्रह मध्यमआगयेऔरतुमनेउनकादानजप करायानहीं इसकारण ऐसेफिक्रचिंता झेलीलाभकमरहाखर्चाविशेषहेपीडाकी चिंताचित्तमेंभयसाहोनाकामउम्दाला भकाअभीनहींबनाजीवकीचिंताहैवश कीब्रद्धिकोमंगलाचारहोनाएकअपना प्याराहैउसीमेंचित्तबहुतरहनाहैगजद्दा रकी चिंता अबछायादानऔरचन्नेकी दालपेलावस्त्र हलदीस्वर्ण दानकराओ ईश्वर चाहतो मनकीकामनापूर्णाहोगी उच्चपदवीमिलेगी जीवकी प्राप्तिलाभ बढे भूमिसेलाभ पीडा नष्ट होगीऔर राजद्वार सेभी काम में फतह होगा

१०७.हेप्रच्छक प्रश्न मध्यम है अभी तुम्हारीमर्जीमाफिककामहोनेमें देरहै कष्टरूपीरंजक्लेशचिंताबहुत रही काम होताहोतारुकजावेहैयेमध्यम दशाका फलहैकहींगवनहोताभी ताज्जुब नहीं एकमित्रसेप्रीतबहुतहै एकशत्रुगुप्त है अबउसकामिलनाकठिनहैमंगलाचारमें देरहैएकजीवकीभीअबलाषाहैअबतुम नवगृहका पूजनदान करोदशा न्यून बदलेगीश्रेष्टआवेगीसो सब कामउत्तम होंगेजीवकीलाभगईहुईचीजफिरआवे गीकष्टबाधानष्टहोगीउच्चपदवीमिलेगी राजद्वारसेकामसिद्धहोगागुप्तचिंतामिटे गीचित्तमेंअनेकप्रकारकीवार्ताचित्तवन करतेहोचित्तकीवार्ताचित्तमेंसमाजाती है अबखुशीकी वार्ता सुननेमेंआवेंगी

१०८. हे प्रच्छक जब दशा जीव पैना किस आती है और ग्रह चौथे आठवें बारहवें होजाते हैं तब ऐसे काम होने हैं खर्चा विशेष लाभ कम और एक जीव का बहुत ध्यान रहता है सो आराम मिलेगा और हाथ से निकला धन देर से प्राप्त होगा जिस काम को करना विचारा हो समझ के करना अभी भाग्य उदय होने में किंचित विलम्ब है एक मित्र में बहुत मन रहता है सो उससे प्रीत बढ़ेगी और मिलेगा नया लाभ होगा दो तीन ग्रह तुम्हारे नाम की रास पै कैड़े हैं उनका पत्रा देखकर यत्न कराओ नहीं तो विशेष क्लेश होगा दुख हो ग्रहों का यत्न होते ही आराम होगा उच्च पदवी होगी काम में फायदा हो एक जगह से विशेष माल मिलेगा विलंभ से खातर जमा रक्खो ईश्वर का भजन करा करो भूलो मत

१०९. हेप्रच्छकतुह्मारीबुद्धिअस्थिररहती
हैईश्वरकोसत्यनहींमानतेजिसनेइतना
बड़ाकियाहै और बराबर रक्षा करी है
सोवहकहींचलानहींगयाहै बराबररक्षा
करेगा उस का भजन करो अन्त में
आसा पूरणहोगी और गईसोगई अब
राखरही औरवो मिलेगा मौजूदहैचिंता
मतकरो आरामकी सूरतहोरहीहै एक
काममेंविशेषलाभहोगा परंतुअबमंगल
केवर्त और पक्षियोंको बाजरा भोजन
डाल दिया करो बड़ा पुन्यका कामहै
क्रूरग्रहोकाजपदान करातेरहाकरो मन
वांछितफलमिलेगा कार्जसिद्धहोंगे जो
बडेखर्चेकेकाम समझरक्खेहैं कांटासा
आनन्दमें निकल जायगा कामदेवकी
उनमत्त्ता में बुद्धि न्यून होजाती है

११०. हे प्रच्छक इस समय के प्रश्न का यह फल है कि तुमनेजो प्रश्न विचारा है सो काम सिद्ध होगा और लाभ की सूरत और आराम की सूरत नजरआतीहै पिछलेसाल महीनेमध्यम रहे खर्च विशेष आमदनी न्यून अब भाग्यउदयहोगा और कामफतह होगा थोडा बिलंब है लाभकी सूरत होकर हटजातीहै ईश्वरका स्मण चित्त लगा करकरो और घृत सांभर दानकरो अब नये सिरेसे आनन्द का प्रबन्ध होगा एक काम तुम से न्यून बनगया सो ईश्वर भी जाने है अब भजन विशेष करने से कार्य की सिद्धि होगी और बहुतसी प्राप्तिहोगी नवीननवीन वार्ता की समुद्रकी तरंगसीचित्तमें उठतीहै

१११.हेप्रच्छककाम तुम्हारेमें विलंबहै
कामअभी ठीकनहोगा दशा नाकिमहै
कईग्रह नाकिमहैं पंचांगखोलकर देखो
सोचोहोकुछहोहैकुछकईबातोंकीचिंता
हैजीवकीधनकीमंगलाचारकीकष्टरूपी
क्लेशकीपरंतुतुम सतवादीहोसत्यबोलने
कोपसंदकरतेहोझूंटसेकोधिनहोतेहोपरा
येकाममेंमनसेप्रीतलगाकेकरतेहोकिसी
कानुरानहींचाहतेतुम्हेविद्याकमहैपरंतु
बुद्धिअकलम्हेविद्वानोसेविशेषहैहरएक
कीबातकीझूटसत्यकी परिक्षा समझलेते
होएककामन्यूनबनगयाथासोईश्वरकी
भक्तिविशेषकरोश्रीगंगाजीके५ब्राह्मण
खीरखंडकेजिमाओमनवांछितफलमि
लेगालाभहोगामिरपेवडाजोफिक्रसमझ
रक्खाहै सबकामआनंदमें होजायगा

११०. हे पृच्छक इस समय के प्रश्न
का यह फल है कि तुमनेजो प्रश्न
बिचारा है सो काम सिद्ध होगा और
लाभ की सूरत और आराम की सूरत
नजरआतीहैपिछलेसाल महीनेमध्यम
रहे खर्च विशेष आमदनी न्यून अब
भाग्यउदयहोगा और कामफतह होगा
थोडा बिलंब है लाभकी सूरत होकर
हटजातीहै ईश्वरका स्मण चित्त लगा
करकरो और घृत सांभर दानकरो अब
नये सिरेसे आनन्द का प्रबन्ध होगा
एक काम तुम से न्यून बनगया सो
ईश्वर भी जाने है अब भजन विशेष
करने से कार्य की सिद्धि होगी और
बहुतसी प्राप्तिहोगी नवीननवीन वार्ता
की समुद्रकी तरंगसीचित्तमें उठतीहै

१११.हेप्रच्छककाम तुम्हारेमें विलंबहै कामअभी ठीकनहोगा दशा नाकिमहै कईग्रह नाकिमहैं पंचांगखोलकर देखो सोचोहोकुछहोहैकुछकईवार्ताकीचिंता हैजीवकीधनकीमंगलाचारकीकष्टरूपी क्लेशकीपरंतुतुम सतवादीहोसत्यबोलने कोपसंदकरतेहोझूंटसेक्रोधितहोतेहोपरा येकाममेंमनमेप्रीतलगाकेकरतेहोकिसी काबुरानहींचाहतेतुम्हेविद्याकमहैपरसुं बुद्धिअकलबडेविद्वानोसेविशेषहैहरएक कीबातकीझूटसत्यकी परिक्षा समझलो होएककामन्यूनबनगयाथासोईश्वरकी भक्तिविशेषकरोश्रीगंगाजीके५ब्राह्मण खीरखंडकेजिमाओमनवांछितफलमि लेगालाभहोगानिरपेक्षडाजोफिक्रसमझ रक्खाहै सबकामआनंदमें होजायगा

११२ हेप्रच्छक तुम्हारा प्रश्न शगुण
इसवक्त बहुतश्रेष्ठहै तुम्हे बिना कार्ण
चिंता फिक्र भयसा उत्पन्न होजाताहै
बुद्धिभ्रमणहोजातीहै गयासोगयाफिर
आवेगा मिलेगा क्या मिलेगा आराम
मिलेगा धनामिलेगा मंगलाचार होगा
पीडाकानाशहोगा जीवकोखुशीहोगी
अकस्मात खुशखबरीहोगी अपने इष्ट
देव पित्रदेवताके निमित्त वस्त्र मिष्टान्न
कच्चादुग्ध मावश्याको पिलातेरहाकरो
रोजगार बढेगा उच्च पदवी पाओगे
एकजीवकाध्यान मित्रकेध्यानमेंचित्त
बहुतरहताहै तुम्हे विद्यामध्यमहै परंतु
अकलबुद्धितेजहै किसीकाबुरा नहीचा
हतेसत्यवार्ताको पसन्दकरतेहो खर्चहै
अंजाम कुशलहै राजद्वारसेअन्तफतेहै

११३हेप्रच्छक येजोतुमने प्रश्नकियाहै जोहोगयासोहोगया अबखुशीकीवार्ता होनेवालीहैखोटेदिनगये श्रेष्ठआनेवाले हैंआरामहोगाकारजफतै होगाजिसकी चाहनाहैमिलेगाऔरयेजोचित्तमेंकाम बिचाराहैदेरसे होगा दिनतुमकोबहुत दिनोंसे मध्यमहैं मर्जिकेमाफिकलाभ नहींहैनष्टदशामेंरजक्लेशपीड़ागुप्तचिंता शत्रुताहोतीहैसोअपनीरासपैजोदोतीन ग्रहनाकिसहैंदानमंत्रजपाकरो तबघर में आनन्द मंगलाचार जीवकी प्राप्ति यात्रासे लाभ काम फतैहोंगे गुप्तप्राप्ति होगी तुम्हारेशरीर पै व्रणयानी फोडे फुंसी का निशान है आलस्य रहताहै नई नई बात का चितवन करते हो

११४ हे प्रच्छक तुम को पिछले दिन बहुत नाकिसाफिक्रसे गुजरे और खर्च विशेषलाभ मध्यम सोअबप्राप्तिहोगी जीवकालाभहोगा व्याधा रंजनष्टहोंगे घरमें खुशीहोगी।चित्तकीचिंता।चित्तमें समाजातीहै समुद्रकी तरंगसीनईनई उठतीहैंसोभ्रथाजातीहैं एकजीवमें।चित्त बहुतरहताहै अबईश्वर चाहेतो कहींसे खुशीकी बातसुनोगे।उच्चपदवी प्राप्तहो गी। नाकिसग्रहोंकादान औरसबेरश्याम शिवजीका भजनकरेकरो और येजो प्रश्नकिया है वो काम भी फतेहोगा मिलेगा फिक्र गया यात्रा से लाभ होगा गई सो गई अब राख रही को काम काबू से बाहर है सिद्ध होगा ईश्वरका भरोसाकरो काम फतै होगा

११५ हेप्रच्छकतुम्हारा कार्यसिद्ध होगा
प्रथम दशा न्यून थी अब दशा श्रेष्ट
आनेवालीहै जीवकी चिंता औरलाभ
का उद्योग विशेष परन्तुलाभ अधूरा
होताहै ओर येजो अबफिक्रहैखर्चेसो
दूरहोयगाआरामगुप्त वोभीमिलेगाफतै
होगा कष्टनष्ट होगा कईग्रह नामकी
रासपरहैंकिसहैंसोउन ग्रहोंका उपाय
विधिपूर्वकपंडितसेकराओ बिनादानके
करायेकार्यसिद्धदेरसेहोगाइसकारणचा
वलमिष्टान्नस्वेतवस्त्रजनित अर्थात् श्र
द्धाप्रमाणचांदीदानकाकरना बहुतश्रेष्ट
हैमनकीकामनापूर्णहोगी अचानकला
भकीसूरतहोगीचित्तस्थिरकरके किसी
कालईश्वरकाभजनकराकरो प्रश्नश्रेष्ट
है अंजाम कुशलहै तीर्थयात्रा श्रेष्टहै

११६ हे प्रच्छक इस समय के प्रश्न का ये फल है कार्य आधीन सेवा हर अर्थात् काम का वू सेवा हर चिंता कष्ट कई जीव शत्रुता गुप्त करें हैं परंतु उन से कुछ होन हीं सक्ता १ जीव में चित्त बहुत रहता है दशा मध्यम के कारण अनेक प्रकार की हानवांता लाप सो चो हो समुद्र की लहर सी उठती है नई नई बात का चितवन होकर निर्फल होता है कई फिक्र भारी लगे हुवे जीव की प्रासिद्धोगी फतै और चंगा होगा और ये जो अब चिंता है सब दूर होपी तदान करो चने की दान हलदी पेला वस्त्र पेले पुष्प सुवर्ण श्रद्धा प्रमाण गुप्त चिंता दूर होगी कार्य फते होगा मनवांछित फल प्राप्त होगा दशा न्यून के कारण फिक्र चिंता गृह में क्लेश होता है अब दशा श्रेष्ट आने वाली है ये कार्य होकर नवीन कृत्य करोगे ॥

११७ हे प्रच्छक तुम्हारा प्रश्न चिंता रूपी कष्ट का है खर्च विशेष जीव की लालसा जीव चिंता तरह २ उद्वेग चित्त स्थिर नहीं काम काबू से बाहर है दूसरे आदमियों को भी बहुत फिक्र है जब दशा मध्यम होती है अपने भी पराये हो जाते हैं परंतु अभी कार्य में विलम्ब है कामना पूर्ण तो होगा परंतु पापग्रहों का पूजन विधिपूर्वक बटुक भैरव का मंत्र भी जपावाओ [मंत्र] ॐ ऐं ह्रीं क्लीं श्रीं बटुकभैरवाय आपदुद्धारणाय सर्वविघ्ननिवारणाय मम रक्षा कुरु कुरु स्वाहा। इस मंत्र के जाप से मनोकामना पूर्ण होगी और ये जो चित्त को दीर्घ चिंता है सो काम हो और मिलेगा खर्च विशेष है एक जीव में चित्त भी बहुत रहता है लाभ अधूरे होते हैं नई २ वार्ता का चितवन रहता है परन्तु अन्त में कुशलता है

११८ हे प्रच्छक कामना पूर्ण होगी खुशी की वार्ता होनेवाली है मिलगा मार्जीकेगा फिक्र काम हो चित्त उस बिना व्याकुल सा रहता है दशा न्यून के कारण ऐसे काम हुए धन का खर्च जीवका दुख काम दूसरे के काबू में होना और दोतीन ग्रह तुम्हारी रास पै कैड़ हैं मध्यम हैं पंचांग में देखो उन मध्यमें गृहों का पूजन दान मंत्र स्थिर चित्त करके कराओ कार्य शीघ्र सिद्ध होगा और ये जो फिक्र है सो दूर होगा और कई फिक्र खर्च के आवेंह सो काम सिद्ध होंगे धन मिलेगा जीवकी प्राप्ति होगी परन्तु विलम्ब है पूजन दानसे कार्य सिद्ध होगा गुप्त लाभ होगा अब अंजाम अच्छा दीखहै कार्यमें भी लाभ होगा शिव जी का पूजन नित्य किया करो

११६ इससमयकेप्रश्नका फलयेहै किका मठीकैबैठगायान बैठेगाइज्जनका भय होजाताहै ऐसीदशामेंगवनभीहोता है गुप्तचिन्तारहेहै कभीचित्तमेंकुछआताहै कभीकुछआताहै ऐसीदशामें खर्चविशे षहोताहै एकगुप्तमनोर्थहैसोकछतकआ रामहोगासो अवन्यूनदशावीचनेवाली हैऔरश्रेष्टआनेवालीहै परन्तकाममेंदेर हैइष्टदेवकापूजन करनाचाहिये पित्रोंके निमित मिष्ट वस्त्रकच्चा दूध पीपलको जलदेना श्रेष्टहै कईमहिनेसेभ यकीही नतायानीमध्यमहैपूजनकरनेसेधनकी प्राप्तीजीवका मिलना कष्टरूपीरजका दूरहोना येजोअव बहुतचिंताहै काम जरादेरसे मर्जीकेमाफिक होगा काम काबूसे बाहर होगया दशा मध्यमहै

१२०हेप्रच्छकतुम्हारी रासपै आजकल कईग्रहनाकिसहैं पंचांग खोलकरदेखो जबऐसेग्रहरासपैआतेहैं लाभकमहोती हैशत्रुउत्पनहोतेमित्र व प्यारोंसेजुदाई होनीहैकष्ट रंजहोतेहैं आमदनीहोतीर रुकजातीहै जहां पूर्णलाभसमझोअधूरा होताहैएकजीवलालसाआसलगीरहेहै व्यैदीर्घलाभमध्यमहो कामहोनेकोहो फिरतारभंगहोजाहैसोअबमध्यमग्रहों केदानजापकराओ आपभीये मंत्रजपो ऊोंऐंह्रीक्लींश्रीवासुदेवायनमः बटुकभैर वायआपदुद्धारणायममरक्षाकुरुकुरुस्वाहा दानमंत्रजापकरनेसे येजोतुम्हारेमनकी कामनाहैपूर्णहोगीप्राप्तहोगीकष्टदूरहो पुत्रोंकालाभराजसेफतैमित्रसेप्रीतविशेप इतनेउपायनबनेगादशा मध्यमरहेगी

१२१.हेप्रच्छक ये जोतुमनेप्रश्नकियाहै जोहोगयासोहोगया अबखुशीकीबार्ता होनेवालीहैखोटेदिनगये श्रेष्टआनेवाले हैंआरामहोकारजफतेहोगाया जिसकी चाहनाहैमिलेगा औरयेजोचित्तमेंकाम विचाराहै देरसेहोगा दिन तुमको बहुत दिनोंसे मध्यमहैं मर्जीकेमाफिक लाभ नहींहैनष्टदशामेंरंजक्लेशपीड़ागुप्तचिंता शत्रुताहोतीहैसोअपनीरासपैंजोहोतीन ग्रहनाकिसहैं दानमंत्र जापकरो तबघर में आनन्द मंगलाचार जीव कीप्राप्ति यात्रासे लाभ काम फतेहोंगे गुप्तप्राप्ति होगी तुम्हारे शरीर पै व्रणयानी फोड़े फुंसी का निशान है आलस्य रहताहै नई नई बात का चिंतवन करते हो

१२२.हे प्रच्छक तुम को पिछले दिन
बहुत नाकिस फ़िक्र से गुज़रे और खर्च
विशेष लाभमध्यम सो अब प्राप्तिहोगी
जीवका लाभहोगा व्याधा रंजनष्टहोंगे
घरमें खुशीहोगी चित्तकीचिंताचित्तमें
समाजातीहै समुद्रकी तरंगसी नई नई
उठतीहैंसोवृथाजातीहैंएकजीवमोंचित्त
बहुतरहताहै अब ईश्वर चाहेतो कहींसे
खुशीकी बातसुनोगेउच्चपदवी प्राप्तहो
गी नाकिस ग्रहोंकादानऔरसुबेश्याम
शिवजीका भजनकराकरो और येजो
प्रश्न किया है वो कामभी फतेहोगा
मिलेगा फिक्र गया यात्रा से लाभ
होगा गई सो गई अब राख रही को
काम काबू से बाहर है सिद्ध होगा
ईश्वरका भरोसाकरो काम फतै होगा

२३. हेप्रच्छक तुम्हाराकार्य सिद्धहोगा प्रथम दशा न्यून थी अब दशा श्रेष्ट आनेवाली है जीवकी चिंता और लाभ का उद्योग विशेष परन्तु लाभ अधूरा होताहै और ये जो अब फिक्रहै खर्चसो दूर होगाआरामगुसबोभी मिलेगा फ़तै होगा कष्ट नष्ट होगा कई ग्रह नाम की रासपरनाकिसहैं सोउन ग्रहोंका उपाय बिधिपूर्वकपंडितसेकराओ बिनादानके करायेकार्यसिद्धदेरसेहोगाइसकारणचा वलमिष्टान्नस्वेतबस्त्र रजानित अर्थात् श्र द्धाप्रमाणचांदीदानका करनाबहुतश्रेष्ट हैमनकीकामनापूर्णहोगी अचानकला भकीसूरतहोगी चित्त स्थिरकरकेकिसी कालईश्वरका भजन कराकरोप्रश्नश्रेष्ट है अंजाम कुशल है तीर्थ यात्रा श्रेष्टहै

१२४, हेपृच्छकइससमयकेप्रश्नकायेफल हैकार्यआधीनसेबाहरअर्थातकामकाबु सेबाहरचिंताकष्टकईजीवशत्रुतागुप्तकरे हैपरंतुउनसे कुछहोनहींसक्ता१जीवमें चित्तबहुतरहताहैदशामध्यमकेकारण अनेकप्रकारकीहानवार्तालाप सोचोहो समुद्रकीलहरसीउठतीहै नईनईबातका चितवनहोकरनिर्फल होताहै कईफिक्र भारीलगेहुवेजीवकीप्राप्तिहोगीफतेऔर चंगाहोगाऔरयेजो अबचिंताहैसब दूर होपीतदानकरोचनेकीदालहलदी पेला वस्त्रपेलेपुष्पसुवर्णश्रद्धाप्रमाणगुप्तचिंता दूरहोगी कार्यफतेहोगा मनवांछितफल प्राप्तहोगादशान्यूनकेकारणफिक्रचिंता गृहमेंक्लेशहोताहै अबदशाश्रेष्ट आने वाली हैयेकार्यहोकरनवीन कृत्यकरोगे ॥

१२५.हेप्रच्छक तुम्हारा प्रश्न चिंतारूपीक ष्टकाहै खर्चविशेप जीवकीलालसाजीव चिंतातरह२उदवेगचित्तस्थिरनहींकाम काबूसेवाहरहैदूसरेआदमियोंकोभीवहु तफिक्रहै जवदशामध्यमहोतीहैअपनेभी परायेहोजातेहैंपरंतुअभीकार्यमेंविलम्ब है कामनापूर्णतोहोगी परंतु पापगृहोंका पूजन विधिपूर्वक वटुकभैरवका मंत्रभी जपवाओ(मंत्र)ऊँऐंह्रींक्लींश्रीवटुकभैर्वा यआपदुद्धारणाय सर्वविघ्ननिवार्णायम मरक्षाकुरुकुरुस्वाहा । इसमंत्रकेजापसे मनोकामनापूर्णहोगीऔरयेजोचित्तको दीर्घचिंताहैसोकामहोऔरामिलेगाखर्च विशेषहैएकजीवमें चित्तभीवहुतरहताहै लाभअधूरेहोतेहैं नईरवार्ताकाचितवन रहता है परन्तु अन्त में कुशलता है

१२६. हेपृच्छक कामना पूर्णहोगी खुशी कीबातहोनेवालीहै मिलेगा मर्जीकेमा फिक कामहो चित्त उस विना व्याकुल सारहताहैदशा न्यूनकेकारण ऐसेकाम हुए धन का खर्च जीवकादुख काम दूसरेके काबूमें होना और दो तीन गृह तुम्हारीरासपैकैडेहैं मध्यमहैं पंचागमें देखो उनमध्यमग्रहोंका पूजनदानमंत्र स्थिरचितकरके कराओकार्य शीघ्र सिद्ध होगा और येजो फिक्रहै सोदूरहोगा और कई फिक्र खर्चके आवैहैं सो काम सिद्धहोंगे धन मिलेगा जीवकी प्राप्ति होगी परंतु विलम्बहै पूजनदानसेकार्य सिद्धहोगा गुप्त लाभहोगा अत्र अंजाम अच्छा दीखेहै कार्यमें भी लाभ होगा शिवजी का पूजन नित्य किया करो

१२७, इस समय के प्रश्न का फल ये है कि का
म ठीक बैठेगा या न बैठेगा इज्जत का भय
हो जाता है ऐसी दशा में गवन भी होता है
गुप्त चिंता रहे है कभी चित्त में कुछ आता है
कभी कुछ आता है ऐसी दशा में खर्च विशे
ष होता है एक गुप्त मनोर्थ है सो कब तक आ
राम होगा सो अब न्यून दशा बीचने वाली
है और श्रेष्ठ आने वाली है परन्त काम में देर
है इष्टदेव का पूजन कराना चाहिये पित्रों के
निमित्त मिष्टान्न वस्त्र कच्चा दूध पीपल को
जल देना श्रेष्ट है कई महीनों से भाग्य की ही
नता या नीमध्य म है पूजन करने से धन की
प्राप्ति जीव का मिलना कष्ट रूपी रंज का
दूर होना ये जो अब बहुत चिंता है काम
जरा देर से मर्जी के माफ़िक होगा काम
काबू से बाहर होगया दशा मध्यम है

१२८. हे प्रच्छक तुम्हारी रास पै आजकल
कई ग्रह नाकिस हैं पंचांग खोलकर देखो
जब ऐसे ग्रह रास पे आते हैं लाभ कम होती
है शत्रु उत्पन होते मित्र व प्यारों से जुदाई
होती है कष्ट रंज होते हैं आमदनी होती २
रुक जाती है जहां पूर्ण लाभ समझो अधूरा
होता है एक जीवलालसा आस लगी रहे है
क्यैदीर्घ लाभ मध्यम हो काम होने को हो
फिर तार भंग हो जाते हैं सो अब मध्यम ग्रहों
के दान जाप कराओ आप भी ये मंत्र जपो
ओं ऐं ह्रीं क्लीं श्रीं वासुदेवाय नमः बटुक भैर
वाय आपदुद्धारणाय मम रक्षा कुरु कुरु स्वाहा
दान मंत्र जाप करने से ये जो तुम्हारे मन की
कामना है पूर्ण होगी प्राप्त होगी कष्ट दूर हों
पुत्रों की लाभ राज से फते मित्र से प्रीत विशेष
इतने उपाय से बनेगा दशा मध्यम रहेगी

१२६. हे पृच्छक ये जो तुमने प्रश्न किया है अब दशा श्रेष्ठ आनेवाली है कामना पूर्ण होगी जो कामना चित्त में धारणा करा है सो मिलेगा चिंता दूर होगी काम फतै होंगे मित्रों से प्रीत और कष्ट पीड़ा नष्ट होगी जो विचारा है काम ठीक बैठेंगे दशा बहुत दिनों से मध्यम थी ऽ ये विशेष हुआ जीव की प्राप्ति होगी रिण की न्यूनता होय प्रश्न श्रेष्ठ है उद्योग व उपाय पहले तुमने बहुतेरे कर पराने फैलगये काम का बुनेबाहर है पर अब ईश्वर आनन्द खुश खबरी की वार्ता करेंगे गुप्त लाभ होय जो प्रश्न विचारा है इसके वास्ते श्री देवी दुर्गा लक्ष्मी का पूजन कराओ चावल चांदी स्वेत वस्त्र स्वेत फूल का दान कराओ कई ग्रह मध्यम हैं सो उपाय करने से शीघ्र मन की कामना पूर्ण होगी एक जीव का ध्यान रहता है

१३०हेपच्छककामकानमे बाहरहै और धनकाव्यैविशेपहैअकसमौतयेमामलाहै सोजीवकीचिन्ताहैऔरआदमीको भी चिंताबहुतहैइज्जतकाख्यालहैबडरखर्च दीखेहैंऔरतुमपरउपकारीसत्यवार्ताको पसंदकरोहो छलछिद्रके कामकोपसंद नहींकरतेतुम्हाराप्रश्नजावऔर धन का हैऔरइज्जतकाभयहोताहैअनेकप्रकार कीबातसोचोहो निर्फलजाती है पता नहींलगताजतनभीकरेअवनग्रहें।का दानमंत्रजापकराओयेकामईश्वरचाहे तोठीकहोनेवालाहैऔरआदमीभीसहा यताकरेंगेकईशत्रुहैंग्रहइष्टदेवकापूजन कराने से काम मनइच्छा पूर्ण होगा और मिलेगा वंश की वृद्धि होगीजी- व लक्ष्मी प्राप्त होगा आराम होगा

१३१.हेप्रच्छकइससमयकेप्रश्नकरनेका
येमामलाहैस्वरदुस्वभावहैघरमैंचमत्का
रीहोक्लेशमिटैव्याधाटलेजिसकाप्रश्नहै
वोशैमिलेगीयानमिलेगीमंगलाचारकद
तकहोगा लाभखुशीकबतकहोगी।ऐसी
दशाकबतकरहेगी जीवकीचिंताहै बंश
कीवृद्धिहोआजकल तुमसोचोहो कुछ
होयहैकुछ दोतीनग्रहरासपैन।।किसआ
रहेहैंसोउनकाउपायदानपुन्यजापकरा
नेसेचित्तकामनोर्थसिद्धहोगा खुशीहो
कामपरायेआधीनहैअबतुमचौंटीनाल;
जिमाओतोश्रेष्टहैभूखोंकोभोजनदोका
र्थसिद्धहोगादशाऊतरनेवालीहै मनोर्थ
पूर्णहोंगेअनेकप्रकारकीलाभकीसूरतहो
औरयेजो ऊपरसे फीक दीखैहैंसोसब
कांटासा निकलजायगा दशामध्यमहै

१३२. इस समय जो आपने प्रश्न कियाहै ऐसे स्वर में येबातहै किगुप्तचिंता १ जीव कीलालसा बनीरहती धनसेही सारेकार्य सिद्ध होंहैं रोजगार मेंमध्यमलाभहैसो प्राप्तहोगीयानहीं मंगलाचारकी सूरतक बतकहो जिससे घरमें चांदनाहो आराम होकबतकादिनकैडेहैं गुप्तलाभभी होगी येझगडा कबतकामिटेगा दिनराता चित्तमें चिंताक्लेशरहेहै कबतकदिन अच्छेआवेंगे येप्रश्नब्राह्मणकोदहो लड्डूमिष्टानभोज नदेनेसेकामहो अपनेइष्टदेव कापूजन घरमें पित्रपीडाका उपायकरोउपायके करानेसेअबकेकाम सिद्धहोइज्जतबढेगी सबसेजीतोगेश त्रुरूपीग्रह हानकररहेहैं दिनरातनईनईबातसोचोहोसबनिर्फल जातीहै परन्तु अंजाम कुशलता है ॥

१३३इसमयके प्रश्नकायेफलहैजीव
चिंताभविष्यति धनन्यूनंदिनेदिनेमंग
लाचारविलम्बस्यपराधीनकृत्ययोराज
द्वारकन्यायंरिथरोकार्यंद्रष्टय:ग्रहपीडा
चप्राप्नोतिभृगुणापरिभाषित:मध्यमद
शाहैमध्यमकार्यहोजातेहैंमनकीवार्ता
कबतकपूर्णहोगी मिलेगीयानहीं रोज
गारकीहानीहै कबतकवृद्धिहोगीआज
कलदिननाकिसहैं घरमें चांदना कब
तकहोयेकामअबकेभीफतहहोगाजिस
सेवंशकीवृद्धि हो तुम्हारीरासपैकईग्रह
मध्यमहैपत्रादेखोनाकिसग्रहोकादान
मंत्रजापछायादानकरानेसे अबयेमनो
र्थसिद्धहोगाकामकाबूसेबाहरहैमामला
ईश्वरकेआधीनहे परन्तुजोबातचित्तमें
औरहैयेगृहकाप्रभावहै अन्तअच्छाहै

१३४ हे प्रच्छक तुम्हारा प्रश्न जीव की
चिंताका है काम पराधीन कबूसे बाहर
होगया बहुतरे यत्न करो हो बहुतेरी बातें
सोचा हो मंगलाचार खुशी वंशकी वृद्धि
राजद्वारा विद्याकी सिद्ध धनकी जीत श्रेष्ठ
दश भेद होती है अब जो तुम्हें ये चिंता और
लालसा जीवकी है सो काममें विलंब है
परंतु मिलेगा और होगा परंतु जतन उपाय
से इच्छा पूर्ण होगी घरमें स्वप्न भी दीखै है
आरामकी सूरत होगी जीवप्राप्ति होगी
इज्जतका काम हो संदेह मिटेगा धनका
मनोर्थ पूर्ण होगा देवीका पूजन कराओ
और अपने हाथसे घृत खांड चावल चांदी
का दान करो ईश्वर चाहे तो उपाय करते ही
इच्छा पूर्ण होगी और तुम परउपकारी हो
सत्यवादी हो असत्यको पसंद नहीं करते

१३५. इसप्रच्छकाचित्त चिंतामेविष्य:तगृ हक्लेशनसंशय:धनमानम हानिपीडा देहदीधतामंगलाचारकेयोग.वंशवृद्धच मेसयेराजद्वारकेन्यायेधनहानिविलंब ताप्रश्नकाफलयेहैतरह२ कीवार्तालाभ सोचाहोकामकावृसबोहरहै दशाकईम हीनेमेमध्यमहैन्यूनदशामेधनहानिवि षेशव्ययवलाभमध्यमचिंत क्लेशनकमान होतेहैराजद्वारमेभीकाममर्जीकेमाफि कनहींहोतेसोकामकवतकहोगाजोघर मेंचंदनाचमत्कारीहोवेशक्ति हिज्जतकी वृद्धिहोओरवोमिलेएकजीवमेंचित्तविषे शरहताहैसोशिवजीकापूजनचींटीनाल देनाश्रेष्ठहैओरअपनेहाथसेगुड़गेहूलाल वस्त्रलालपुष्पआदिदानकरकेदेईश्वरचा हेतोअबकामशीघ्रहोकामनापूर्णहोगी

१३६ हे प्रच्छ्यगुप्त चिंता शरीरेन धनहानी च दृश्यते गृहपीडा भविष्यति दृश्यते भाग्यमंदता जीवचिंता च प्राप्नोति मंगला चार हर्ष कंधन लछन संदेह जीवप्रश्ने चप्राप्ये इस समय दुःखभाव स्वर है इसमें भाग्य की वृद्धि वंश की वृद्धि मंगलाचार राजद्वार में न्याय किसी प्यारे की चिंता विद्या का लाभ रोजगार कष्ट पीड़ा का यत्न दुःखभाव स्वर में इस प्रकार प्रश्न होते हैं सो तीन ग्रह तुम्हारे सपै आजकल ना किसे है पत्र में देखो ना किसे हैं या नहीं जरूर हैं इनना कि स ग्रहों का दान मंत्र जाप कराओ जिससे भाग्य की वृद्धि का ताला खुले और उच्चपदवी मिले और ये जीव की प्राप्ति के मंगलाचार के काम हों और गुप्त गई हुई चीज प्राप्त हो अंजाम कुशल है जिसे चाहो सो मिलेगा

१३७. हेप्रच्छकतुम्हाराप्रश्न जीवरूप लक्ष्मीकाहै चिंतादीर्घहैऔर स्वरदुस्व भावहैप्रश्नदोतरहकेसेहैंएकशैका अल गहोजाना रोजगारमध्यमहोना चित्त कीचिंताचित्तमेंही समाजातीहै घरमें अंधेरासाहै जीवकीलालसाहैजतनभी करेपरन्तुव्रथागएगुप्तचिंता इज्जतका ख्यालहै औरयेख्यालहैअबकेभीकाम होगाराजद्वारकाउच्चपदवीकी अशा हैअबचिंताइमप्रश्नकीहैसोकाम ईश्वर आधीनहैदिनबहुतसमयसे मध्यम है भाग्यउदयहोनेकोहोताहैफिररुकजाता हेअबपूजनश्रीदुर्गादेवीकाकरानाचाहि येकईग्रहरासपेकैडेहैं उनकाउपायकरा नाचाहियेकामफतहहोकष्टबाधनष्टहो लाभकीसूरतअच्छीबनेगी वो मिलेगी

१३८.हेप्रच्छकदीर्घ।चिंताचप्राप्नोतिजीव
प्राप्तिनदृश्यतेभयभीतहृदा।दृश्यपराधी
नोपिकृत्यथाराजद्वार कंकार्यधनव्यय
भविष्यतिअंतकार्यमहासिद्धिभृगुणाप
रिभाषत:तुमपैवहुतदशान्यूनथीअनेक
प्रकारकेफिक्र जीवाचिंताधनका जाना
गुप्तक्लेशरहा तुम्हाराचित्तएकजीवमेंत
त्परहैनईनईबातालाभसोचाहोसोव्यथा
जातीहैअबरोजगारकीभीसूरतहोगीये
जोजीवकीलालसाहैपूर्णहै।परंतुविलंबहै
देरसेफतहहोगाकाममेंलाभहै।ग छाया
दानगुड़गेंहूंलालवस्त्रसुवर्णदानसे शीघ्र
मनकीकामनापूर्णहोगीऔरदूसरालाभ
काकार्यभीसिद्धिहोगा कामदेवकीउन
मत्तामेंनीचबुद्धिहोजातीहैसोग्रहकाप्र
भावहैअंजामकुशलभूमि लाभ होगा

१३९.हेप्रच्छक तुम्हारा काम काबू से वाहरहै दिनरातविचित्रतरहहरकीवार्ता लाभसोचोहोवनकरकामकीआनन्दकी सूरत मध्यमसीहोगई ऐसीदशामेंगुप्त चिंताशत्रुकाचित्तमें भयसाधनकाचला जानामित्रकाख्यालरहताहैरोजगारका मध्यमहोनाकष्टव्याधाहोखोटीदशामें बहुतबातोंकाख्यालहोताहै तुमपक्षियों कोअन्नबाजराभोजनदोश्री बटुकभैरव कापूजनकराओयेमंत्रजपोऊँऐंह्रींक्लींश्रीं श्रीविष्णुभगवानममअपराधक्षमायकुरु कुरुसर्वविघ्नविनाशायममकामना पूर्ण कुरुकुरुस्वाहामंत्रकेकरानेसेवंशकीवृद्धि होतीहैरोजगारश्रेष्ठहोताहैजीवकीप्राप्ती होतीहैराजद्वारसेफतैहोतीहैगईहुईलक्ष्मी फिर आतीहै सर्वकामना सिद्धहोतीहै

१४०.हेप्रच्छक तुम्हाराकाम फतेहोगा स्वरदाहना चलताहै इससमयकेप्रश्न कायेइफलहै चिंताफिक्रमिटेगा गईसो गई अवराखरही जिसनेउत्पन्नाकियाहै देगावहीजीवकीप्राप्तिहोगीराजद्वारसे लाभहोगाखुशीहोगीमंगलाचारहोगा एकमित्रमेंविशषमनरहेहैआधीनरहेगा भूमिलाभहोगादशाबहुतदिनसेमध्यम थीअबदशा बदलनेवालीहै कामदेवकी प्रबलतामें न्यून बुद्धिहोजातीहै जबजो तुम्हारीरासपै ग्रहमध्यमहैंउनकादान निश्चैकरकेकराओ कामहोताहोतारुक जाताहैशत्रुहानिकरातेहैं काम औरके आधीनहै कई आदमियोंसे मिल कै कामहोगा अबदशाअच्छी आनेवाली है येजो और कामहे सोवहभी होगा

१४२. हेप्रच्छकप्रश्नजरामध्यममालूम
होताहैपुत्रकीलाभसगाईरोजगारमध्य
मदशामैंमुशकिलसेहोतेहैंअर्थातृहोतार
लाभरुकजाताहैधनकानुक्सानघनहर
नहोताहैराजद्वारसेफतेहानामुशकलहो
जाताहैउच्चपदवीनहींमिलतीजीवकी
प्यारेकीचिंताहोजातीहै जोकामसोचो
तारभंगहोजातीहैगुप्तशत्रुभांजीमारदेते
हैंएकमनोर्थ बहुतदिनसे सोचरक्खाहै
ईश्वरचाहेतवहोअवतुमइष्टदेवऔरघरके
पित्रोंनिमित्तकुछजपदानकराओजिस
सेमनोर्थसिद्धहोजिसकीचाहनाहैवोमिले
जीवकीप्राप्तिहोरोजगारभारीहोराजद्वा
रसेफतेहो गईचीजमिलेमंगलाचार हो
इतनेपूजननवनेगाकोईकार्यदुरुस्तनहो
गा काममध्यमरहेगा अन्तमेंकुशलहै

१४२. हे प्रच्छक अब तुम्हारा मनोर्थ सिद्ध होगा श्रेष्ट दशा आने वाली है उत्तम दशा गई चीज का मिलना रोजगार में लाभ अन्न ने लाभ जीवकी प्राप्ति राजद्वार में फते घर में मंगल कष्ट व्याधी नष्ट यात्रा में लाभ और मन का मनोर्थ भी सिद्ध होगा अब तुम्हारी रास पर दो ग्रह नाकिस और बाकी हैं पत्रा देखो उनका जरा उपाय और श्रद्धा से करादो और श्याम को चींटीनाल जबतक बने तबतक दो दशा उत्तम आने वाली है पिछले दिन बहुत फिक्र से बीचे सो अब ईश्वर चाहे काम पूर्ण होंगे आस पूरी होगी मिलके लाभ एक जीव में चित्त विशेष कर रहता है सो आनन्द में बीतेगी काम देव की उन मत्तता में बुद्धि न्यून भी होजाती है

१४३.हेप्रच्छकअबकगाफिक्ककरोहातुम्हें खुशखबरी हानेवालीहै गईसोगई अब राखरहीअबबहुतदेगावहीमनोर्थपूर्णहों गेपरन्तएक फिक्र भारीदीखेहै ऊपरसे खर्चआवैहैपासधनविशेपनहीं दीखता परंतुचिंतामतकरनाकामबडाइज्जनके साथबनेगाऔरकईजगहसेलाभ होगा करनेवालाओरहैवहीफिक्करहाहैअब विशेपलाभकीसूरतहोगी मित्रमेंचित्त बहुतरहताहैवे भीचित्तसेप्यारकरैहैअब तुमशीघ्रइसकार्यकीसिद्धचाहोतो श्री गंगाजीके५ब्राह्मणोंकोखांडकेजिमाओ औरसट्टीचावलदईदानकरोकामशीघ्र फैहोगाऔरगुप्त लाभहोगाघरमेंचांद ना होगाएककार्य गुप्तसे गुप्त न किम बनाथा सोईश्वरका ध्यान रक्खे करो

१४४.हेप्रच्छककतुमपर बहुतदिनोंसेदशा नाकिसथीनहींतो निहालहोजातेलाभ कामूरतमेंहानपैदा होगईगुप्तशत्रुबुराई करेहैअबएकऔरखुशीकीबाततुम्हेंहोने कोहोरहीहैदशानाकिसमें धनमालका निकलजानापीडाका घरमें बासहोना इज्जतकाभयहोना रोजगारमेंहानहो नाहुवाहुवाया मंगलाचारका हटजाना राजद्वारकीचिंताहोनी येसबबातनाकि स दशामेंहोतीहैंअबतुमशामकोघृतका दीपकशिवजीके मंद्रमें प्रज्वलितकरो ओरजलकालोटाभरकेशिवजीकोऔर पीपलकोदो औरइतवारको ब्राह्मणाजि माओकईग्रहतुम्हारीरासपरनाकिस हैं पत्रेमेंदेखोसोनाकिसदशाकाफलन्यून होजायगाजोमनोकामनाहै पूर्णहोगी

१४५.हेप्रच्छकअबतुम्हारेखोटेदिनगये अच्छेआनेवालेहैं अबतक तुमनेबहुत नाकिसदशाझली नाकिसदशा में ही ऐसेकामहोतेहैं जोफिक्रतुमपरहैं बहुत नुक्सानउठायालाभकमरहापीड़ारूपी क्लेशमें धनखर्च औरचीज निकलगई इज्जतकाभयहुवापरन्तु अबअपनेइष्ट देवकापूजनापितृपीडाकाजतनऔरक्रूर ग्रहकादानानिश्चयकरकेकराओफिरशीघ्र औरनयेलाभहोंगे जीवकीप्राप्ति मित्रऐ मुलाकातजोहैविशेषहोगीघरमेंमंगला चारउच्चपदवी प्राप्तहोगी ग्रहकीपीड़ा नष्टहोगीशत्रुकानाश औरयेजोमनकी कामनाहैसो पूर्णहोगी औरबड़ेरफिक्र जोऊपरसेखर्चकेदाखेहैंसोसबआनंदमें कांटासानिकलजायगाकामसिद्धहोगा

१४६.हेप्रच्छक प्रश्न इससमयकाबहुत श्रेष्टतुम्हारादीखताहै बुरेदिनगयेअच्छे आनेवालेथे सोतुम्हारीरासपैदोतीनग्रह मध्यमआगयेऔरतुमनेउनकादानजप करायानहीं इसकारण ऐसेफिक्रचिंता झेलीलाभकमरहाखर्चाविशेषहैपीडाकी चिंताचित्तमेंभयसाहोनाकामउरझाला भकाअभीनहींधनाजीवकीचिंताहैवंश कीब्रद्धिकोमंगलाचारहोनाएकअपना प्याराहैउसीसेंचित्तबहुतरहताहैराजद्वा रकी चिंता अन्नछायादानऔरचनेकी दालपेलावस्त्र हल्दीस्वर्ण दानकराओ ईश्वर चाहेतो मनकीकामनापूर्णहोगी उच्चपदवीमिलेगी जीवकी प्राप्तिलाभ बढे भूमिसेलाभ पीडा नष्ट होगीऔर राजद्वार सेभी काम में फतह होगा

१४७.हेप्रच्छक प्रश्न मध्यम है अभी तुम्हारीमर्जीमाफिककामहोनेमें देरहै कष्टरूपीरंजक्लेशचिंताबहुत रही काम होताहोतारुकजावेहैयेमध्यम दशाका फलहैकहींगवनहोतोभी ताज्जुब नहीं एकमित्रसेप्रीतबहुतहै एकशत्रुगुप्त है अबउसकामिलनाकठिनहैमंगलाचारमें देरहैएकजीवकीभीअबलाषाहैअबतुम नवगृहका पूजनदान करोदशा न्यून बदलेगीश्रेष्टआवेगीसो सब कामउत्तम होंगेजीवकालाभगईहुईचीजफिरआवे गीकष्टबाधानष्टहोगीउच्चपदवीमिलेगी राजद्वारसेकामसिद्धहोगागुप्तचिंतामिटे गीचित्तमेंअनेकप्रकारकीवार्ताचित्तवन करतेहोचित्तकीवार्ताचित्तमेंसमाजाती है अबखुशीकी वार्ता सुननेमेंआवेगी

१४८. हे प्रच्छक जब दशा जी व पैना किस आती है और ग्रह चौथे आठवें बारहवें हो जा ते हैं तब ऐसे काम होने हैं खर्च विशेप लाभ कम और एक जीव का बहुत ध्यान रहता है सो आराम मिलेगा ओर हाथ से निकला धन देर से प्राप्त होगा जिस काम को करना विचारा हो समझ के करना अभी भाग्य उदय होने में किंचित विलम्ब है एक मित्र में बहुत मन रहता है सो उससे प्रीत बढ़ेगी और मिलेगा नया लाभ होगा दो तीन ग्रह तुम्हा रे नाम की रास पै कैड़े हैं उन का पत्रा देखकर यत्न कराओ नहीं तो विशेष क्लेश होगा दुख हो ग्रहों का यत्न होते ही आराम होगा उच्च पदवी होगी काम में फायदा हो एक जगह से विशेप माल मिलेगा विलंभ से खातर जमा रक्खो ईश्वर का भजन करा करो भूलो मत

१४६. हे प्रच्छक तुह्मारी बुद्धि भ्रम में रहती है ईश्वर को सत्य नहीं मानते जिसने इतना बड़ा किया है और बराबर रक्षा करी है सो वह कहीं चला नहीं गया है बराबर रक्षा करेगा उस का भजन करो अन्त में आसा पूरण होगी और गई सो गई अब राख रही और वो मिलेगा मौजूद है चिंता मत करो आगम की सुरत हो रही है एक काम में विशेष लाभ होगा परंतु अब मंगल के व्रत और पक्षियों को बाजरा भोजन डाल दिया करो बड़ा पुन्य का काम है क्रूरग्रहों का जप दान कराते रहा करो मन वांछित फल मिलेगा कार्ज सिद्ध होंगे जो बड़े खर्च के काम समझ रक्खे हैं कांटा सा आनन्द में निकल जायगा कामदेव की उनमत्ता में बुद्धि न्यून होजाती है

१५०. हे प्रच्छक इस समय के प्रश्न का यह फल है कि तुमनेजो प्रश्न विचारा है सो काम सिद्ध होगा और लाभ की सूरत और आराम की सूरत नजरआतीहै पिछलेसाल महीनेमध्यम रहे खर्च विशेष आमदनी न्यून अब भाग्यउदयहोगा और कामफतह होगा थोडा विलंब है लाभकी सूरत होकर हटजातीहै ईश्वरका स्मण चित्त लगा करकरो और घृत सांभर दानकरो अब नये सिरेसे आनन्द का प्रबन्ध होगा एक काम तुम से न्यून बनगया सो ईश्वर भी जाने है अब भजन विशेप करने से कार्य की सिद्धि होगी और बहुतसी प्राप्तिहोगी नवीननवीन वार्ता की समुद्रकी तरंगसीचित्तमें उठतीहे

१५१. हे प्रच्छक काम तुम्हारे में विलंब है काम अभी ठीक न होगा दशा नाकिम है कः ग्रह नाकिम हैं पंचांग खोलकर देखो सोचो हो कुछ हो है कुछ कई बातों की चिंता है जीव की धन की मंगलाचार की कष्ट रूपी क्लेश की परंतु तुम सतवादी हो सत्य बोलने को पसंद करते हो झूंटसे को घिन होते हो पराये काम में मन से प्रीत लगा के करते हो किसी का बुरा नहीं चाहते तुम्हें विद्या कम है परंतु बुद्धि अकल मंडो विद्वानों से विशेष है हर एक की बात को झूट सत्य की परिक्षा समझलो हो एक काम न्यून बन गया था सो ईश्वर की भक्ति विशेष करो श्री गंगाजी के ५ ब्राह्मण खीर खंड के जिमाओ मनवांछित फल मिलेगा लाभ होगा सिर पे बडा जो फिक्र समझ रक्खा है सब काम आनंद में होजायगा

१५२ हेप्रच्छक तुम्हारा प्रश्न शगुण इसवक्त बहुतश्रेष्टहै तुम्हे बिना कार्ण चिंता फिक्र भयसा उत्पन्न होजाताहै बुद्धिभ्रमणहोजातीहै गयासोगयाफिर आवेगा मिलेगा क्या मिलेगा आराम मिलेगा धनामिलेगा मंगलाचार होगा पीडाकानाशहोगा जीवकोखुशीहोगी अकस्मात खुशखबरीहोगी अपने इष्ट देव पित्रदेवताके निमित्त वस्त्र मिष्टान्न कच्चादूध मावश्याको पिलातेरहाकरो रोजगार बढेगा उच्च पदवी पाओगे एकजीवकाध्यान मित्रकेध्यानमेंचित्त बहुतरहताहै तुम्है विद्यामध्यमहै परंतु अकलबुद्धितेजहै किसीकाबुरा नहीचा हतेसत्यवार्ताको पसन्दकरतेहो खर्चहै अंजाम कुशलहै राजद्वारसेअन्तफतेहै

॥५३हेप्रच्छक येजोतुमने प्रश्नकियाहै जोहोगयासोहोगया अबखुशीकीवार्ता होनेवालीहैखोटेदिनगये श्रेष्ठआनेवाले हैंआरामहोगाकारजफतै होगाजिसकी चाहनाहैमिलेगाऔरयेजोचित्तमेंकाम बिचाराहैदेरवे होगा दिनतुमकोबहुत दिनोंसे मध्यमहैं मर्जिकेमाफिकलाभ नहींहैनष्टदशामेंरजक्लेशपीड़ागुसाचिंता शत्रुताहोतीहैसोअपनीरासपैजोदाती।न ग्रहनाकिसहैंदानमंत्र जपाकरो तबघर में आनन्द मंगलाचार जीवकी प्राप्ति यात्रासे लाभ काम फतैहोंगे गुप्तप्राप्ति होगी तुम्हारेशरीर पै व्रणयानी फोडे फुंसी का निशान है आलस्य रहताहै नई नई बात का चितवन करते हो

१५२ हेप्रच्छक तुम्हारा प्रश्न शगुण
इसवक्त बहुतश्रेष्ठहै तुम्हे बिना कार्ण
चिंता फिक्र भयसा उत्पन्न होजाताहै
बुद्धिभ्रमणहोजातीहै गयासोगयाफिर
आवेगा मिलेगा क्या मिलेगा आराम
मिलेगा धनामिलेगा मंगलाचार होगा
पीडाकानाशहोगा जीवकोखुशीहोगी
अकस्मात खुशखबरीहोगी अपने इष्ट
देव पित्रदेवताके निमित्त वस्त्र मिष्टान्न
कच्चादूध मावस्याको पिलातेरहाकरो
रोजगार बढेगा उच्च पदवी पाओगे
एकजीवकाध्यान मित्रकेध्यानमेंचित्त
बहुतरहताहै तुम्है विद्यामध्यमहै परंतु
अकलबुद्धितेजहै किसीकाबुरा नहीचा
हतेसत्यवार्ताको पसन्दकरतेहो खर्चहै
अंजाम कुशलहै राजद्वारसेअन्तफतेहै

१५३ हे प्रच्छक ये जो तुमने प्रश्न किया है जो हो गया सो हो गया अब खुशी की वार्ता होनेवाली है खोटे दिन गये श्रेष्ठ आनेवाले हैं आराम होगा कारज फतै होगा जिसकी चाहना है मिलेगा और ये जो चित्त में काम बिचारा है देरसे होगा दिन तुमको बहुत दिनों से मध्यम हैं माजिके माफिक लाभ नहीं है नष्टदशा में रज क्लेश पीड़ा गुप्त चिंता शत्रुता होती है सो अपनी रास पै जो दोती न ग्रह नाकिस हैं दान मंत्र जपा करो तब घर में आनन्द मंगलाचार जीव की प्राप्ति यात्रा से लाभ काम फतै होंगे गुप्त प्राप्ति होगी तुम्हारे शरीर पै व्रण यानी फोड़े फुंसी का निशान है आलस्य रहता है नई नई बात का चितवन करते हो

१५४ हे प्रच्छक तुम को पिछले दिन बहुत नाकिसफिक्रसे गुजरे और खर्च विशेषलाभ मध्यम सोअबप्राप्तिहोगी जीवकालाभहोगा व्याधी रंजनष्टहोंगे घरमें खुशीहोगी।चित्तकीचिंताचित्तमें समाजातीहै समुद्रकी तरंगसीनईनई उठतीहैंसोअथाजातीहैं एकजीवमें।चित्त बहुतरहताहै अबईश्वर चाहेतो कहींसे खुशीकी बातसुनोगे उच्चपदवी प्राप्तहोगी। नाकिसग्रहोंकादान औरसवेरशाम शिवजीका भजनकरेकरो और येजो प्रश्नकिया है वो काम भी फतेहोगा मिलेगा।फिक्र गया यात्रा से लाभ होगा गई सो गई अब राख रही को काम काबू से बाहर है सिद्ध होगा ईश्वरका भरोसाकरो काम फते होगा

१५५ हेप्रच्छकतुम्हारा कार्यसिद्ध होगा प्रथम दशा न्यून थी अब दशा श्रेष्ट आनेवालीहै जीवकी चिंता औरलाभ का उद्योग विशेष परन्तुलाभ अधूरा होताहै और येजो अबफिक्रहैखर्चसो दूरहोयगाआरामगुप्त वोभीमिलेगाफतै होगा कष्टनष्ट होगा कईग्रह नामकी रासपरनाकिसहैंसोउन ग्रहोंका उपाय बि.धिपूर्वकपंडितसेकराओ बिनादानके करायेकार्यसिद्धदेरसेहोगाइसकारणचा वलमिष्टान्नस्वेतवस्त्ररजनित अर्थात् श्र द्धाप्रमाणचांदीदानकाकरना बहुतश्रेष्ट हैमनकीकामनापूर्णहोगी अचानकला भकीसूरतहोगीचित्तस्थिरकरके किसी कालईश्वरकाभजनकराकरो प्रश्नश्रेष्ट है अंजाम कुशलहै तीर्थयात्रा श्रेष्टहै

१५६ हे प्रच्छक इस समय के प्रश्न का ये फल है कार्य आधीन सेवा हर अर्थ तू काम का बू सेवा हरा चिंता कष्ट कई जीव शत्रुता गुप्त करें है परंतु उनसे कुछ हो नहीं सक्ता १ जीव में चित्त बहुत रहता है दशा मध्यम के कारण अनेक प्रकार की हानि वार्ता लाप सोचो हो समुद्र की लहर सी उठती है नई नई बात का चितवन होकर निष्फल होता है कई फिक्र भारी लगे हुवे जीव की प्रःसिद्धी गी फते और चंगा होगा और ये जो अब चिंता है सब दूर हो पीत दान करो चने की दान हलदी पीला वस्त्र पेल पुष्प सुवर्ण श्रद्धा प्रमाण गुप्त चिंता दूर होगी कार्य फते होगा मनवांछित फल प्राप्त होगा दशा न्यून के कारण फिक्र चिंता गृह में क्लेश होता है अब दशा श्रेष्ट आने वाली है ये कार्य होकर नवीन कृत्य करोगे ॥

१५७ हे प्रच्छक तुम्हारा प्रश्न चिंता रूपी कष्ट का है खर्च विशेष जीव की लालसा जीव चिंता तरह २ उद्वेग चित्त स्थिर नहीं काम काज में बाहर है दूसरे आदमियों को भी बहुत फिक्र है जब दशा मध्यम होती है अपने भी पराये हो जाते हैं परंतु अभी कार्य में विलम्ब है कामना पूर्ण तो होगा परंतु पाप ग्रहों का पूजन विधिपूर्वक बटक भैरव का मंत्र भी जपावाओ [मंत्र] ऊँ ऐं ह्रीं क्लीं श्रीं बटुक भैरवाय आपदुद्धारणाय सर्व विघ्न निवार्णाय मम रक्षा कुरु कुरु स्वाहा। इस मंत्र के जाप से मनोकामना पूर्ण होगी और ये जो चित्त को दीर्घ चिंता है सो काम हो और मिलेगा खर्च विशेष है एक जीव में चित्त भी बहुत रहता है लाभ अधूर होते हैं नई २ वार्ता का चितवन रहता है परन्तु अन्त में कुशलता है

१५८हेप्रच्छक कामना पूर्णहोगी खुशी कीवार्ताहोनेवाले है मिलगामार्जीकेमा फिक कामहो चित्त उसविनाव्याकुल सारहताहै दशान्यूनकेकारण ऐसेकाम हुए धन का खर्च जीवकादुख काम दूसरेके काबूमें होना औरदोतीन ग्रह तुम्हारीरासपैकेहैं मध्यमहैंपंचांग में देखोउनमध्यमेंगृहोंका पूजनदानमंत्र स्थिरचित्त करकेकराओकार्यशीघ्र सिद्ध होगा और येजो फिक्रहै सोदूरहोगा औरकई फिक्र खर्चकेआवेंहै सो काम सिद्धहोंगे धन मिलेगा जीवकी प्राप्ति होगी परन्तु विलम्बहैपूजनदानसकार्य सिद्धहोगागुप्त लाभहोगाअव अंजाम अच्छा दीखहै कार्यमें भी लाभ होगा शिव जी का पूजन नित्य किया करो

१५६ इससमयकेप्रश्नका फलयेहै किका
मठीकैबैठेगायान बैठेगाइज्जनका भय
होजाताहै ऐमीदशामेंगवनभीहोता है
गुप्तचिंतारहेहैं कभी चित्तमेंकुछआताहै
कभीकुछआताहै ऐमीदशामें खर्चविशे
पहोताहै एकगुप्तमनोर्थहैसोकबतकआ
रामहोगासो अवन्यूनदशाबीचनेवाली
हैऔरश्रेष्ठआनेवालीहै परन्तकाममेंदेर
हैइष्टदेवकापूजनकरनाचाहिये पित्रोंके
निमितमिष्टान्नवकच्चा दूध पीपल को
जलदेना श्रेष्ठहै कईमहिनेसेभ ग्यकीही
नतायानीमध्यमहैपूजनकरनेसेधनकी
प्राप्तिजीवका मिलना कष्टरूपीरजका
दूरहोना येजोअब वहुतचिंताहै काम
जरादेरसे मर्जीकेमाफिक होगा काम
काबूसे बाहर होगया दशा मध्यमहै